दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े: www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-318 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार,शुक्रवार , 15 नवंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर एक्शन

गुड़गांव

दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन द्वारा बुलडोजर कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में नगर परिषद की उड़नदस्ता टीम ने रायसीना और अरावली पहाड़ी क्षेत्र में अवैध निर्माण पर जोरदार बुलडोजर हमला किया। टीम ने दो जेसीबी मशीनों की मदद से 12 फार्म हाउसों की चारदीवारी, स्वीमिंग पूल और पक्के मकान को जमीनदोंज कर दिए गए। इस दौरान कई अन्य अवैध निर्माण भी प्रशासन के द्वारा तोड़े गए।

इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल की तैनाती थी, इसमें भोंडसी थाना के एसआई संतकुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मी शामिल थे। अवैध निर्माण को गिराने का अभियान बुधवार को आर-वन के फार्म हाउस नंबर सात से शुरू हुआ। नगर परिषद के एसडीओ राजपाल खटाना को ड्यूटी मजिस्टेट नियुक्त किया था, जबकि जेई दिगम्बर सिंह, एक्सइएन अजय पंघाल और पटवारी सुभाष खटाना सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौके पर मौजूद थे।

कोचिंग नगरी कोटा में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का काम मई 2025 से शुरू होगा

कोटा

देश सहित राजस्थान की कोचिंग नगरी कोटा में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की स्थापना के लिए एयरपोर्ट आथोरिटी ऑफ इंडिया को भूमि का पजेशन जल्द से जल्द सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट में हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी कर ली है। अब हवाई अड्डे का निर्माण मई 2025 से शुरू हो जाएगा। इस हवाई अड्डे में 3200 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे होगा। नवीन हवाई अड्डे पर सात विमान पार्किंग क्षेत्रों का निर्माण होगा। लोकसभा अध्यक्ष और कोटा से सांसदा ओम बिरला ने 6 नवंबर को आयोजित बैठक में संबंधित विभागों को 7 दिन में भूमि का पजेशन एयरपोर्ट आथोरिटी को देने के निर्देश दिया था। कोटा कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की मौजूदगी में 440.6461 हैक्टेयर भूमि का हस्तांतरण की प्रक्रिया एयरपोर्ट डायरेक्टर तुलसीराम मीणा और अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन मुकेश कुमार चौधरी के बीच हुआ। गौरतलब है कि हाल में कोटा में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड हवाई अड्डे के निर्माण कार्य को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिल गई थी। पिछले बुधवार को संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष बिरला की अध्यक्षता में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के चेयरमैन और अधिकारियों के साथ राजस्थान राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हाईब्रिड मोड में की गई थी, जिसमें एयरपोर्ट निर्माण को लेकर चर्चा हुई थी। कोटा ग्रीन फील्ड हवाई अड्डे का निर्माण सभी आवश्यक स्वीकृतियों के बाद मई 2025 से शुरू कर दिया जाएगा। काम दिसंबर 2027 तक शुरू कर दिया जाएगा। यह हवाई अड्डा राजस्थान के कोटा शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर, 1005 एकड़ क्षेत्र में निर्मित किया जा रहा है।

पीएम मोदी का अघाड़ी पर हमला, कुछ लोग संभाजी महाराज के हत्यारे को मसीहा मनाते

सत्ता में आने के लिए जातियों को बांटना चाहती हैं कांग्रेस

मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर तीन बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया। पहली चुनावी सभा छत्रपति संभाजीनगर से करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस चुनाव में महाराष्ट्र की तरक्की का भविष्य तय होगा। उन्होंने महायुति (भाजपा, शिवसेना और सहयोगी दलों का गठबंधन) को राज्य के विकास के लिए जरूरी बताकर अघाड़ी (कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना) पर जमकर निशाना साधा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में संभाजी महाराज और औरंगजेब का संदर्भ देकर कहा, एक ओर देशभक्त हैं जो संभाजी महाराज को मानते हैं, तब दूसरी ओर वे लोग हैं जिन्हें औरंगजेब के कातिल को मसीहा मानते हैं। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी नगर का नाम बदलने की मांग पहले बालासाहेब ठाकरे ने की थी, लेकिन अघाड़ी सरकार के 2.5 साल के शासन में कांग्रेस के दबाव के चलते इस मांग को पूरा नहीं किया जा सका। महायुति सरकार ने सत्ता में आते ही इस निर्णय को अमलीजामा पहनाया और शहर का नाम संभाजी नगर कर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र को विकसित बनाने के लिए महायुति की सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि महायुति सरकार ने आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान केंद्रित किया है और मराठवाड़ा, विदर्भ और मुंबई के बीच सीधा संपर्क स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के विकास से भारत के विकसित होने का सपना साकार होगा।

इस दौरान मराठवाड़ा के जल संकट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और अघाड़ी दलों ने पानी की समस्या को अनदेखा किया है। अघाड़ी वाले आपको बूंद-बूंद पानी के लिए तरसाएंगे, उन्होंने कहा। उनकी सरकार ने सूखे के खिलाफ ठोस कदम उठाए हैं, और जनता से अपील की कि वे अघाड़ी वालों को सत्ता में न आने दें।

प्रधानमंत्री ने अपने चुनावी संबोधन में कहा कि उनकी सरकार महाराष्ट्र की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित कर रही है। भगवान विठ्ठल के भक्तों के लिए पालकी महामार्ग का निर्माण हो रहा है। मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा देकर मराठा गौरव को सम्मानित किया गया है,

कांग्रेस पर बंटवारे की राजनीति का आरोप

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जातिगत विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज को सत्ता में बने रहने के लिए आपस में बांट देना चाहती है। कांग्रेस विकास की नहीं, बंटवारे की राजनीति में भरोसा करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा से आरक्षण का विरोध किया है और अब छोटी जातियों में बांटकर समाज की एकता को कमजोर करने का प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओबीसी समाज को चेताकर कहा कि कांग्रेस ओबीसी जातियों में विभाजन कर सत्ता में वापसी का सपना देख रही है। कांग्रेस को सरकार में आने का मौका मिल गया तब एससी/एसटी/ओबीसी का आरक्षण खतरे में आ जाएगा।

भारत के 51वें चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने भी झेला है बंटवारे का दर्द

नई दिल्ली,

देश के 51वें चीफ जस्टिस बने संजीव खन्ना के जीवन से जुड़ी एक सबसे कड़वी सच्चाई सामने आ रही है। सीजेआई खन्ना भी पड़ोसी देश पाकिस्तान की गंदी साजिश का शिकार हो चुके हैं। साल 1947 में जब भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था तब देश को बंटवारे का दंश झेलना पड़ा था। इस बंटवारे की आग में सीजेआई संजीव खन्ना का अमृतसर में घर जला दिया गया था। तब वह पांच साल के थे। यह घर आजादी से पहले उनके दादा सरव दयाल ने बनवाया था।

खन्ना के दादा सरव दयाल अपने समय के एक प्रतिष्ठित वकील थे। सरव दयाल 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड को संबोधित करने वाली कांग्रेस समिति के सदस्य भी थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में दो घर बनवाए थे। एक घर अमृतसर में जलियांवाला बाग के पास कटरा शेर सिंह में स्थित है तो दूसरा हिमाचल प्रदेश के डलहौजी में। एक रिपोर्ट के मुताबिक जब भी सीजेआई खन्ना अमृतसर जाते हैं, तो वे कटरा शेर सिंह में जाकर रुकते हैं। हालांकि अमृतसर का घर 1970 में उनके दादा के देहांत के बाद बेच दिया गया था।

पिछले कुछ सालों में अमृतसर का यह क्षेत्र पूरी तरह बदल गया है। ऐसे में कम उम्र में इस जगह वक्त गुजारने वाले सीजेआई खन्ना के लिए आज भी अपने घर की तलाश जारी है। यह एक ऐसी जगह जो अभी भी उनकी यादों को समेटे हुए है। 1947 में भारत में स्वतंत्रता के दौरान लोगों ने अमृतसर में स्थित उनके घर को आग लगा दी थी। ये वह दौरा था जब जस्टिस संजीव खन्ना पांच साल के थे। बाद में वह अपने पिता के साथ घर देखने गए थे। घर पर एक साइनबोर्ड था जिस पर लिखा था बाउजी। इस बोर्ड को अब भी परिवार के संभाल कर रखा है।

जिसने संविधान पढ़ा ही नहीं उसे खोखला ही लगेगा

गांधी ने महाराष्ट्र की चुनावी सभा में पीएम मोदी पर किया पलटवार

नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा राहुल गांधी पर कोरा संविधान दिखाने के आरोप के बाद कांग्रेस नेता ने पलटवार करते हुए पीएम मोदी को संविधान के प्रति उनके नफरत और उपेक्षा का जिम्मेदार ठहराया है। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार में एक जनसभा में कहा कि पीएम मोदी के लिए संविधान खोखला इसलिए लगता है क्योंकि उन्होंने इसे कभी पढ़ा ही नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि संविधान में हजारों सालों की सोच और विचार समाहित हैं और इसे खोखला कहना पीएम मोदी का महात्मा गांधी, बाबा साहेब अंबेडकर और बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों का अपमान करना है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि वह कहते हैं कि मैं जनसभाओं में जो संविधान दिखाता हूं वह खोखला है। इसका कारण यह है कि उन्हें इस किताब के अंदर लिखी बातों का कोई ज्ञान नहीं है, क्योंकि उन्होंने इसे कभी पढ़ा ही नहीं है। राहुल ने यह भी कहा कि हमारे लिए मायने यह रखता है कि इस किताब में क्या लिखा है। हम इस किताब के लिए अपनी जान देने को तैयार हैं। बता दें पीएम मोदी ने हाल ही में कांग्रेस द्वारा प्रचारित लाल किताब को लेकर कहा था कि उसमें कुछ भी नहीं है। मोदी ने इसे खोखला बताते हुए आरोप लगाया था कि यह सिर्फ कांग्रेस के लिए एक राजनीतिक उपकरण है, जिसका कोई असल मोल नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यह किताब बाबा साहेब अंबेडकर के प्रति कांग्रेस की नफरत और उपेक्षा का प्रतीक है।

राहुल गांधी ने कांग्रेस की चुनावी घोषणाओं का जिक्र किया, जिनमें महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने तीन हजार रुपए देने, किसानों का तीन लाख रुपए तक कर्ज माफ करना और मुफ्त बस यात्रा जैसी योजनाओं का प्रस्ताव है।

इसरो प्रमुख ने कहा- हमें खुद के व्यावसायिक अवसर पैदा करना होंगे

बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि इसरो ने यह पता लगाने के लिए हाल ही में एक अध्ययन किया था कि अंतरिक्ष एजेंसी में निवेश की गई धनराशि से समाज को कोई फायदा हुआ है या नहीं। इस पर उन्होंने बताया कि अध्ययन में पाया गया कि इसरो पर खर्च किए गए हर एक रुपये पर समाज को 2.50 रुपये वापस मिले।

इसके अलावा सोमनाथ कहा कि हम वित्त पोषण के लिए केवल सरकार पर निर्भर नहीं रह सकते। हमें व्यावसायिक अवसर पैदा करने होंगे। अगर आपको इसे जारी रखना है, तो आपको इसकी उपयोगिता साबित करनी होगी। वरना, जब हम कुछ करेंगे, तब सरकार हमसे उसे बंद करने के लिए कहेगी। कर्नाटक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी केआरईआईएस पहुंचे सोमनाथ ने छात्रों से संवाद के दौरान मिसाल के तौर पर, हम मछुआरों को जो सलाह जारी करते हैं, उसी को ले लीजिए। हमारी सलाह की मदद से वे जान पाते हैं कि मछली पकड़ने के लिए सबसे उपयुक्त स्थान कहां है। हम समुद्री स्थिति का आकलन करने के लिए ओशनसैट का इस्तेमाल करते हैं और विभिन्न मापदंडों का अध्ययन करने के बाद सलाह जारी करते हैं। इस सेवा का इस्तेमाल कर मछुआरे न केवल ज्यादा मछली पकड़ पाते हैं, बल्कि वे नावों के लिए आवश्यक डीजल की भी काफी बचत कर पाते हैं।अपने जीवन को प्रभावित करने वाली चीजों के बारे में पूछने पर सोमनाथ ने कहा कि उनके शिक्षकों ने उनका मार्गदर्शन करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने भौतिकी शिक्षक राजप्पा और गणित शिक्षक पॉल के बारे में बात की, जिन्होंने न केवल अच्छे अंक प्राप्त करने में, बल्कि विषय पर अच्छी पकड़ बनाने में उनकी काफी मदद की। सोमनाथ ने कहा कि वह दसवीं कक्षा की अपनी शिक्षिका भागीरथी अम्मा के हमेशा आभारी रहेंगे, जिन्होंने सबसे पहले उन्हें आईआईटी के बारे में बताया था और जिन्हें विश्वास था कि वह एक दिन इंजीनियर जरूर बनेंगे। उन्होंने छात्रों से असफलताओं का सीढ़ियों के रूप में इस्तेमाल करने का आग्रह किया। इसरो प्रमुख ने अपनी पहली अंतरिक्ष परियोजना-1990 के दशक में पीएसएलवी ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान का प्रक्षेपण-का जिक्र किया, जो ऊंचाई के नियंत्रण से जुड़ी समस्या के कारण असफल रहा था। उन्होंने कहा, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमने इसे सही करने और फिर से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने के लिए अगले 10 महीनों में बहुत मेहनत की।

भाजपा सरकार ने महंगाई को दिया बढ़ावा, हर मराठी परिवार की जेब से हर साल 90,000 की लूट- पवन खेड़ा

मुंबई

भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल में महंगाई अपने चरम पर है। खाद्यतेल सहित अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं। लहसुन 500 रुपये प्रति किलो और प्याज 100 रुपये प्रति किलो हो गया है। आवश्यक वस्तुओं की कीमत बढ़ने से आम और मध्यमवर्गीय परिवारों का रसोई बजट चरमरा गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने हमला बोलते हुए कहा है कि मोदी सरकार इस महंगाई के माध्यम से हर मराठी परिवार की जेब से 90,000 रुपये प्रति वर्ष लूट रही है और ध्यान भटकाने के लिए बटेंगे तो कटेंगे और वोट जिहाद जैसे नारे लगा रही है। भाजपा के पास जनता इन बुनियादी सवालों का कोई जवाब नहीं है। गुरुवार को मुंबई के तिलक भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पवन खेड़ा ने बीजेपी सरकार का पंचनामा किया। उन्होंने आगे कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर बीजेपी के सड़क छाप नेता भी तमाम मुद्दों पर भाषण देते हैं। लेकिन जनता के मुद्दों पर एक शब्द नहीं बोलते हैं। यह बीजेपी के प्रचार की दिशा है। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड में प्रचार के दौरान कहा कि देश में घुसपैठ हुई है , लेकिन देश में 11 साल से मोदी सरकार है, तो ये घुसपैठ कैसे हुई? इसका जवाब उन्हें खुद देना चाहिए! महाराष्ट्र के चुनाव अभियान में भी बीजेपी बटेंगे तो कटेंगे, एक हैं तो सेफ हैं और वोट जिहाद का नारा लगा रही है। बीजेपी भले ही लोगों को मूर्ख समझे लेकिन महाराष्ट्र के लोग समझदार हैं और बीजेपी की इस चाल को अच्छी तरह से समझते हैं। बीजेपी एक तरफ हर मराठी परिवार की जेब से 90 हजार रुपये लूट रही है और महिलाओं को 1500 रुपये देने का दंभ भर रही ।

संपादकीय

शिखर पर महंगाई दर

अक्तूबर में खुदरा महंगाई दर 6.2 फीसदी रही है। यह बीते 14 माह के उच्चतम स्तर पर है और भारतीय रिजर्व बैंक के 4-5 फीसदी के संतोषजनक स्तर से भी बहुत ज्यादा है। देश में हरी सब्जियों की कीमतें अक्तूबर में ही 42.2 फीसदी तक बढ़ी हैं। खाद्य और शीतलपेय वाले समूह में महंगाई सितंबर में 8.36 फीसदी थी, लेकिन अक्तूबर में बढ़ कर 9.69 फीसदी तक पहुंच गई। राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई में प्याज खुदरा में 70-80 रुपए प्रति किलो बेचा जा रहा है, जबकि महाराष्ट्र में ही नासिक सबसे अधिक प्याज का उत्पादन करता है। वहां की मंडियों में भी प्याज औसतन 50 रुपए किलो बेचा जा रहा है। बाजार के जानकारों का आकलन है कि प्याज के दाम 100 रुपए किलो तक बढ़ सकते हैं और टमाटर इससे भी काफी महंगा बिक सकता है। सिर्फ सब्जियां ही नहीं, अनाज, दालें, खाद, खाद्य तेल और खेती के लिए अनिवार्य वस्तुएं भी महंगी हुई हैं। किसानों को रबी फसलें बोनी हैं, लेकिन बाजार में खाद का संकट है। खाद की दुकानों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगी हैं। खाद की जो बोरी 50 किलो की मिलती थी, वह अब कम कर दी गई है, लेकिन बोरी 300 रुपए तक महंगी कर दी गई है। किसान औसतन सस्ती फसल कैसे बो सकता है और उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य कैसे मिल सकता है? रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का आकलन है कि महंगाई अभी और बढ़ेगी। भारत सरकार और रिजर्व बैंक ने मिल कर तय किया था कि खुदरा महंगाई दर 4-5 फीसदी के बीच रहनी चाहिए। आदर्श स्थिति 4 फीसदी की है। अभी तक कोशिशें भी की गईं कि महंगाई वहीं तक सिमट कर रहे, लेकिन अब हदें लांघ दी गई हैं। सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.5 फीसदी पर पहुंच गई थी। बढ़ोतरी के संकेत वहीं से मिल गए थे। अब यह महंगाई दर 6.2 फीसदी हो गई है, जो सर्वाधिक है। ये तमाम आंकड़े भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालयह्न ने जारी किए हैं। जो संगठन निजी क्षेत्र में सक्रिय हैं, उनका डाटा भिन्न हो सकता है और महंगाई दर भी ज्यादा हो सकती है। बहरहाल अभी जो चुनाव किए जा रहे हैं, उनमें महंगाई प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं है। चुनावों में मुफ्तखोरी की रेवड़ियों की प्रतिद्वंद्विता है अथवा बांटने, काटने, डरने, मरने की ही चर्चाएं हैं। महंगाई के अलावा बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य सरीखे मुद्दों पर कभी भी जनादेश तय नहीं होते, जबकि ये आम आदमी की बुनियादी समस्याएं और जरूरतें हैं।

एसबीआई रिसर्च के मुताबिक, देश के 23 राज्यों में से छत्तीसगढ़ में, बीते एक साल के दौरान, महंगाई सबसे अधिक 6.4 फीसदी बढ़ी है। मप्र में 3 फीसदी, उप्र, बिहार, केरल, तमिलनाडु में 2.3 फीसदी महंगाई बढ़ी है। पंजाब और हरियाणा ऐसे राज्य हैं, जहां साल भर में महंगाई क्रमशः 0.4 फीसदी और 0.7 फीसदी ही बढ़ी है, लेकिन महंगाई दर 5 फीसदी से अधिक रही है। सिर्फ राजस्थान ही ऐसा इकलौता राज्य है, जहां महंगाई दर घटी है। देश में पांच राज्य ऐसे हैं, जहां महंगाई दर 7 फीसदी से ज्यादा रही। ओडिशा 7.5 फीसदी महंगाई दर के साथ इन राज्यों में शिखर पर है। डाटा में यह भी बताया गया है कि 11 राज्यों में महंगाई दर 6 फीसदी से कम रही है। बहरहाल आकलन किया जा रहा है कि ऐसी बढ़ोतरी के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई दर औसतन 4.8 फीसदी रहेगी, जो रिजर्व बैंक के लक्ष्य की परिधि में है। गौरतलब यह है कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर अक्तूबर में 10.87 फीसदी रही है, जो सितंबर में 9.24 फीसदी थी। बताया जाता है कि मौसम की अनिश्चितता से कई राज्यों में फसलें प्रभावित हुईं। आलू-टमाटर समेत प्रमुख सब्जियों के उत्पादन कम हुए। मांग और आपूर्ति में फासला बढ़ा। बहरहाल सरकारी आंकड़ों में महंगाई की जो भी तस्वीर सामने आती है, वह आम आदमी को चुभने वाली है। उसकी जेब पर असर पड़ रहा है। कोरोना महामारी के बाद आम आदमी की औसतन आय नहीं बढ़ी, बल्कि बचत भी मात्र 9 फीसदी रह गई है। ऐसे में वह महंगाई का सामना कैसे करे? कारण कुछ भी हों, लेकिन 2023 में 2851 किसानों ने आत्महत्याएं कीं। देश न जाने किसके लिए आर्थिक महाशक्ति है, लेकिन आम आदमी महंगाई से बेदम, बेहाल है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार को इस मुद्दे पर जरूर सोचना चाहिए। अगर महंगाई को तुरंत लगाम नहीं लगाई गई, तो गरीब व मध्यम वर्ग का जीना निश्चय ही कठिन हो जाएगा।

(चिंतन-मनन)

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया।

लड़कियों को भी खेलने के अवसर मिलने चाहिए

–सरिता नायक–

> वह स्कूल स्तर पर खो खो खेला करती थी. उसने जिला स्तर पर स्कूली खेल प्रतियोगिताएं में भाग भी लिया था और स्कूल के लिए सिल्वर मेडल जीता था. लेकिन कॉलेज स्तर पर उसे अवसर नहीं मिला क्योंकि प्रैक्टिस की सुविधा नहीं थी. वह कहती है कि गांव में खेलने के लिए कोई मैदान नहीं है. जिससे प्रैक्टिस नहीं कर पाती हैं. वहीं एक अन्य किशोरी संगीता कहती है कि खेल में अच्छे प्रदर्शन के लिए लगातार प्रैक्टिस की जरूरत होती है. गांव के लड़के तो कहीं भी जाकर खेल की प्रैक्टिस कर लेते हैं लेकिन लड़कियों को ऐसे अवसर नहीं मिलते हैं. जिससे वह अभ्यास से वंचित रह जाती है. खेल सामाजिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इससे शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है.

हाल ही में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है. यह सम्मान प्राप्त करने वाली वह दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं. नीतू दुनिया की अकेली ऐसी महिला क्रिकेटर हैं जिनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड अभी तक कोई महिला क्रिकेटर तोड़ नहीं सकी है. सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि खेल की ऐसी कोई प्रतियोगिता नहीं है जिसमें महिलाओं ने अपनी कामयाबी के झंडे नहीं गाड़े हैं. जिला स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक की सभी प्रतिस्पधाओं में महिलाओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर यह साबित किया है कि यदि उन्हें भी सुविधाएं और प्रैक्टिस के अवसर मिले तो वह हर प्रतियोगिता जीत सकती हैं. लेकिन अभी भी देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां लड़कियों को न तो खेल की सुविधाएं मिलती हैं और न ही प्रैक्टिस के लिए मैदान उपलब्ध हो पाते हैं. जिससे उनकी प्रतिभा प्रभावित होती है और वह खेलने के अवसरों से वंचित हो जाती हैं. ऐसा ही एक गांव करणीसर भी है, जो राजस्थान के बीकानेर जिला स्थित लूणकरणसर ब्लॉक से करीब 50 किमी दूर स्थित है. इस गांव की लड़कियों में खेल की काफी प्रतिभाएं हैं लेकिन उसे निखारने के लिए प्रैक्टिस की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है. इस संबंध में गांव की 22 वर्षीय ममता कहती है कि उसे खेलने का बहुत शौक था. वह स्कूल स्तर पर खो खो खेला करती थी. उसने जिला स्तर पर स्कूली खेल प्रतियोगिताएं में भाग भी लिया था और स्कूल के लिए सिल्वर मेडल जीता था. लेकिन कॉलेज स्तर पर उसे अवसर नहीं मिला क्योंकि प्रैक्टिस की सुविधा नहीं थी. वह कहती है कि गांव में खेलने के लिए कोई मैदान नहीं है. जिससे प्रैक्टिस नहीं कर पाती हैं. वहीं एक अन्य किशोरी संगीता कहती है कि खेल में अच्छे प्रदर्शन के लिए लगातार प्रैक्टिस की जरूरत होती है. गांव के लड़के तो कहीं भी जाकर खेल की प्रैक्टिस कर लेते हैं लेकिन लड़कियों को ऐसे अवसर नहीं मिलते हैं. जिससे वह अभ्यास से वंचित रह जाती है. खेल सामाजिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इससे शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है. लेकिन जब इसमें लड़कियों की भागीदारी और उन्हें मिलने वाले अवसरों की बात आती है तो वह बहुत सीमित हो जाती है. उन्हें कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ता है. हालांकि पिछले कुछ दशकों में खेल प्रतियोगिताओं में लड़कियों के भाग लेने की संख्या में वृद्धि अवश्य हुई है, इसके बावजूद उनके सामने अभी भी कई अड़चने हैं जो उन्हें इस क्षेत्र में पूरी तरह से शामिल होने से रोकती है. सबसे बड़ी अड़चन लड़कियों के खेलने के प्रति समाज की संकुचित सोच है. पारंपरिक रूप से पितृसत्तात्मक समाज खेल को पुरुष-प्रधान गतिविधियां मानता है और लड़कियों को शारीरिक रूप से कमजोर मानकर उन्हें इससे दूर रखने का प्रयास करना चाहता है. प्रोत्साहित करने की जगह उनका मनोबल तोड़ा जाता है. वहीं करणीसर जैसे गांव में सुविधाओं की कमी किशोरियों के इस राह में एक और रुकावट बन जाती है. इस संबंध में गांव की 23 वर्षीय जया विश्नोई कहती हैं कि रबचपन से ही मेरा सपना था कि मैं एक सफल क्रिकेटर बनूं और भारतीय टीम का हिस्सा बनूं. मैं मिताली राज से बहुत प्रभावित थी. स्कूल में खेलने के अवसर मिल जाते थे. लेकिन अब गांव में प्रैक्टिस की ऐसी कोई जगह नहीं है जहां हम लड़कियां क्रिकेट का अभ्यास कर सकें. जिससे राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट खेलने का मेरा सपना पूरा नहीं हो सका. मेरी दिली इच्छा है कि जो मेरे साथ हुआ वह मेरे बाद की किशोरियों के साथ न हो. उन्हें अपनी मर्जी के खेल खेलने और प्रैक्टिस के भरपूर अवसर मिले. इसके लिए गांव में ऐसी जगह होनी चाहिए जहां लड़कियां अपने अपने खेल का पूरा अभ्यास कर सकें. जया कहती है कि इसके लिए गांव के लोगों और पूरे समाज को गंभीरता से सोचने की जरूरत है ताकि लड़कियां भी खेल में आगे बढ़ कर करणीसर गांव का नाम रौशन कर सकें. वह कहती है कि हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर लड़कियों को घरेलू कार्यों तक सीमित रखा है. उन्हें शिक्षा तक से भी वंचित करने का प्रयास किया जाता है. ऐसे में खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए उनके पास बहुत कम विकल्प रहते हैं. लड़कियां खेलने के अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं. लेकिन अगर उन्हें अवसर और सुविधाएं मिले तो परिदृश्य बदल सकता है. 23 वर्षीय एक अन्य किशोरी शारदा पूरे आत्मविश्वास के साथ कहती है कि पहले की तुलना में अब खेलों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ने लगी है. सरकार भी खेलो इंडिया के माध्यम से इस क्षेत्र में किशोरियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है. जिससे कई किशोरियों ने अपनी पहचान बनाई है. इसकी वजह से ओलंपिक और राष्ट्रमंडल जैसे अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारतीय महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है. इसके अतिरिक्त विभिन्न खेलों में महिला लीग की शुरूआत कर किशोरियों को खेल के मंच भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं. हाल के अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं में कई महिला खिलाड़ियों ने पदक जीतकर इस धारणा को मजबूत किया है कि यदि लड़कियों को भी अवसर उपलब्ध कराये जाएं तो वह भी देश के नाम मैडल जीत सकती है. वह कहती है कि अब कई परिवार अपनी बेटियों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं. लेकिन इसके लिए अभ्यास महत्वपूर्ण है जिसके लिए मैदान की जरूरत होती है. जिसका करणीसर गांव में अभाव है. इसी वर्ष तमिलनाडु में आयोजित छठे खेलों इंडिया यूथ गेम्स में राजस्थान के खिलाड़ियों ने भी विभिन्न प्रतिस्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन कर राज्य को टॉप 5 में स्थान दिलाया है. इसमें लड़कों के साथ साथ लड़कियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और राज्य की झोली में स्वर्ण पदक डाला. अपने प्रदर्शन से इन्होंने यह साबित किया कि यदि लड़कियों को भी अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो वह भी अपने गाँव, जिला और राज्य का नाम रौशन कर सकती है. इतना ही नहीं, वर्ष 2009 में, निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के साथ-साथ, बच्चों को विभिन्न खेलों और मनोरंजन में शामिल करने के लिए खेल के मैदानों को अनिवार्य बनाया गया क्योंकि इससे उन्हें आवश्यक जीवन कौशल, आदतें और दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है. इस अधिनियम के लागू होने के बाद कई बच्चों को इसका लाभ हुआ है, लेकिन अधिनियम के लागू होने के 15 साल बाद भी जमीनी स्थिति पर नजर डालें तो आज भी हजारों बच्चे विशेषकर लड़कियां खेल की सुविधा से वंचित हैं. वास्तव में, खेल का मैदान सिर्फ मैदान नहीं होता है बल्कि यह एक ऐसा मंच होता है जहां प्रतिभाएं हकीकत का रूप लेती हैं. लेकिन इसकी कमी ने करणीसर गांव की किशोरियों की क्षमता को सीमित कर दिया है. जिस पर सभी को ध्यान देने की जरूरत है ताकि उन्हें भी खेलने का भरपूर अवसर मिले और वह भी एक उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकें.

बाकू सम्मेलन अमीर देशों की उदासीनता दूर कर पायेगा

–ललित गर्ग–

संयुक्त राष्ट्र का दो सप्ताह का जलवायु सम्मेलन कॉप-29 सोमवार से अजरबैजान की राजधानी बाकू में शुरू हो गया है। पर्यावरण से जुड़े इस महाकुंभ में भारत समेत लगभग 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों के लिए जलवायु वित्त का नया लक्ष्य तय करने, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान की वृद्धि को सीमित करने और विकासशील देशों के लिए समर्थन जुटाने पर सार्थक एवं परिणामकारी भी चर्चाएं होने की संभावनाएं हैं। साथ ही इसमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाने पर समूची दुनिया के देश चर्चा करेंगे। सम्मेलन में भारत की प्रमुख प्राथमिकताएं जलवायु वित्त पर विकसित देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और ऊर्जा स्त्रोतों के समतापूर्ण परिवर्तन का लक्ष्य प्राप्त करना होंगी। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआइ) के विशेषज्ञ इस वर्ष के शिखर सम्मेलन से चार प्रमुख परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं- नया जलवायु वित्त लक्ष्य, मजबूत राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं के प्रति तेजी, पिछले वादों पर ठोस प्रगति और नुकसान व क्षति के लिए अधिक धनराशि। विश्व में तापमान बढ़ोत्तरी, अल नीनोह्न व ला नीनाह्न के प्रभावों के चलते मौसम की घटनाओं से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है। इस बीच एक नए अध्ययन में पूर्वी यूरोप के 10 ऐसे देशों की पहचान की गई है, जो भविष्य में तापमान वृद्धि से सबसे अधिक आर्थिक नुकसान का सामना करेंगे। ऐसे में पूरी दुनिया की निगाहें जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में होने वाली चर्चाओं, फैसलों और नतीजों पर टिकी हैं। कॉप-29 सम्मेलन को पर्यावरण समस्याओं, चुनौतियों एवं बदलते मौसम के मिजाज को संतुलित करने के लिये महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन से दुनिया ने उम्मीदें लगा रखी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने की राह में विकासशील देशों के सामने सबसे प्रमुख अवरोध वित्तीय संसाधनों का अभाव है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बावजूद विकसित देशों का योगदान आवश्यक स्तर से कम है। वर्ष 2022 में विकसित देशों ने 115.9 अरब डालर उपलब्ध कराए और पहली बार 100 अरब डालर के वार्षिक लक्ष्य का आंकड़ा पार हुआ। हालांकि यह अभी भी कम है, क्योंकि अगर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से जुड़े लक्ष्य हासिल करने हैं तो 2030 तक हर साल दो ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राशि की आवश्यकता होगी। कर्ज का अंबार विकासशील देशों की राह में एक और बाधा बना हुआ है। तमाम विकासशील देश कर्ज के बोझ से ऐसे कराह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए उनके पास संसाधन बहुत सीमित हो जाते हैं। इसीलिये जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैया एक बार फिर बाकू सम्मेलन कॉप-29 में चर्चा का विषय बन रहा है। दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या जितनी गंभीर होती जा रही है, इससे निपटने के गंभीर प्रयासों का उतना ही अभाव महसूस हो रहा है। मिस्र में हुए कॉप 27 में नुकसान एवं क्षतिपूर्ति कोष की पहल हुई थी, लेकिन उसमें पर्याप्त योगदान न होने से उसकी उपयोगिता सीमित बनी हुई है। ऐसे में यह उचित ही होगा कि विकासशील देश उस नुकसान एवं क्षतिपूर्ति मुआवजे पर भी जोर दें, जिसकी चर्चा तो बहुत हुई थी, लेकिन उस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए। विकसित देशों की जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं पर उदासीनता इसलिये भी सामने आ रही है कि विकसित देश कार्बन उत्सर्जन में अपने पुराने और भारी योगदान को अनदेखा करते हुए विकासशील देशों पर जल्द से जल्द उत्सर्जन कम करने के लिए ऐसा दबाव डालते हैं कि वे उनकी गति से ताल मिलाएं। इस प्रकार विकासशील देशों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं का संज्ञान लिए बिना ही अमीर देशों द्वारा लक्ष्य तय किया जाना भी असंतोष का एक कारण बन रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जलवायु परिवर्तन से उपजी प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं ने उन देशों एवं समुदायों को बहुत ज्यादा क्षति पहुंचाई है, जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए अपेक्षाकृत कम जिम्मेदार हैं। देखा जाए तो आज जीवन के हर पहलू पर जलवायु में आते बदलावों का असर साफ तौर पर नजर आने लगा है। लोगों का स्वास्थ्य भी इससे सुरक्षित नहीं है। बात चाहे आपदाओं के कारण जा रही जानों की हो या इसकी वजह से तेजी से पनपती बीमारियों की, जलवायु परिवर्तन रूप बदल-बदल कर लोगों के स्वास्थ्य पर आघात कर रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य पर मंडराते इस खतरे को कहीं ज्यादा संजीदगी से लेने की जरूरत है। बढ़ती गर्मी के प्रति चेतावनी, जीवाश्म ईंधन की सही कीमत का निर्धारण और घरों में ऊर्जा के साफ सुथरे साधनों का उपयोग सालाना 20 लाख लोगों की जान बचा सकता है। ऐसे में इस शिखर सम्मेलन से ठीक पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी देशों से जीवाश्म ईंधन से अपना नाता तोड़ने का आग्रह किया है। साथ ही सरकारों से आम लोगों को जलवायु में आते बदलावों का सामना करने के काबिल बनाने में मदद करने की वकालत की है। कॉप-29 से ठीक पहले जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर जारी अपनी विशेष रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक नेताओं से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य को अलग-अलग मुद्दों के रूप में देखना बंद करने का आग्रह किया है। ताकि न केवल लोगों के जीवन को बचाया जा सके, साथ ही मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 100 से भी ज्यादा संगठनों और 300 विशेषज्ञों के सहयोग से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को संबोधित करते हुए कॉप-29 पर यह विशेष रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में तीन प्रमुख क्षेत्रों लोग, क्षेत्र और ग्रह से जुड़ी महत्वपूर्ण नीतियों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में 360 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं, जो जलवायु में आते बदलावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। यह वो क्षेत्र हैं जहां खतरा बहुत ज्यादा है। लोगों के जीवन की रक्षा करने के लिए ऐसी स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करना जरूरी है जो जलवायु में आते बदलावों का सामना कर सकें और मुश्किल समय में भी लोगों के प्राणों की रक्षा कर सकें। स्वास्थ्य और जलवायु नीतियों का मेल मानव प्रगति एवं आदर्श विश्व संरचना के लिए बेहद जरूरी है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सतर्क होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। भारत के साथ पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित 11 ऐसे देश हैं जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से चिंताजनक श्रेणी में हैं। ये ऐसे देश हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आने वाली पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता के लिहाज से खासे कमजोर हैं। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, असंतुलित पर्यावरण, जलवायु संकट एवं बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है।

किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता सोशल मीडिया

–डॉ सत्यवान सौरभ–

> हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि सरकार 16 साल से कम उम्र के लोगों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाएगी। वास्तव में पूरी दुनिया में किशोरों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया पर आयु प्रतिबंध लगाने के संभावित लाभ और नुकसान, साथ ही संभावित अनपेक्षित परिणामों पर विचार करना होगा। क्या ऐसे प्रतिबंध मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करने, हानिकारक सामग्री के संपर्क को कम करने और विकासशील दिमागों की रक्षा करने में मदद कर सकते हैं।

किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रभाव ने वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंताएँ पैदा की हैं, इस बात पर बहस चल रही है कि क्या आयु प्रतिबंध इसके संभावित नुकसानों को प्रभावी ढंग से दूर कर सकते हैं या अनपेक्षित परिणामों को जन्म दे सकते हैं। साथियों के साथ बातचीत और समुदाय निर्माण की सुविधा देता है, सामाजिक कौशल विकास में सहायता करता है। प्यू रिसर्च (2023) ने पाया कि 71% किशोर सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। युवाओं को पहचान तलाशने और खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सोशल मीडिया इंटरनेट साइट्स और ऐप्स के लिए एक शब्द है जिसका उपयोग आप अपने द्वारा बनाई गई सामग्री को साझा करने के लिए कर सकते हैं। सोशल मीडिया आपको दूसरों द्वारा पोस्ट की गई सामग्री पर प्रतिक्रिया देने की सुविधा भी देता है। इसमें दूसरों द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरें, टेक्स्ट, प्रतिक्रियाएँ या टिप्पणियाँ और जानकारी के लिंक शामिल हो सकते हैं।

सोशल मीडिया साइट्स के भीतर ऑनलाइन शेयरिंग कई लोगों को दोस्तों के संपर्क में रहने या नए लोगों से जुड़ने में मदद करती है और यह अन्य आयु समूहों की तुलना में किशोरों के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण हो सकता है। दोस्ती किशोरों को समर्थित महसूस करने में मदद करती है और उनकी पहचान बनाने में भूमिका निभाती है। इसलिए, यह सोचना स्वाभाविक है कि सोशल मीडिया का उपयोग किशोरों को कैसे प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया बहुत से किशोरों के दैनिक जीवन का एक बड़ा हिस्सा है। कितना बड़ा? 13 से 17 साल के बच्चों पर 2024 में किए गए एक सर्वेक्षण से इसका सुराग मिलता है। लगभग 1,300 प्रतिक्रियाओं के आधार पर, सर्वेक्षण में पाया गया कि 35% किशोर दिन में कई बार से ज्यादा पाँच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में से कम से कम एक का इस्तेमाल करते हैं। पाँच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं: यूट्यूब, टिकटोक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट। सोशल मीडिया सभी किशोरों को एक जैसा प्रभावित नहीं करता है। सोशल मीडिया का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य पर स्वस्थ और अस्वस्थ प्रभावों से जुड़ा हुआ है। ये प्रभाव एक किशोर से दूसरे किशोर में अलग-अलग होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रभाव चीजों पर निर्भर करता है।

यूनिसेफ की रिपोर्ट (2022) से पता चलता है कि सोशल मीडिया 62% किशोरों में आत्म-पहचान को बढ़ावा देता है। विशाल शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच सक्षम करता है, डिजिटल साक्षरता और कौशल को बढ़ाता है। लिंक्डइन और फेसबुक युवाओं के लिए डिजिटल कौशल पर कार्यशालाएँ प्रदान करते हैं। हाशिए के समूहों के लिए समर्थन और समझ पाने के लिए सुरक्षित स्थान बनाता है हल्ड (2022) ने सीमित सोशल मीडिया एक्सपोजर वाले युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों में 20% की कमी की रिपोर्ट की है। अनुचित या खतरनाक सामग्री के संपर्क को सीमित करता है, जिससे नकारात्मक प्रभावों के जोखिम कम होते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया का उपयोग साइबरबुलिंग के जोखिम को 30% तक बढ़ाता है। युवा उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने वाले शिकारी व्यवहार और शोषण के जोखिमों को कम करने में मदद करता है। नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन की 2023 की रिपोर्ट में युवाओं से जुड़े ऑनलाइन शोषण के मामलों में 15% की वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है। अत्यधिक स्क्रीन समय को नियंत्रित करता है, बेहतर स्वास्थ्य और ऑफलाइन जुड़ाव का समर्थन करता है। डिजिटल मीडिया पर दक्षिण कोरिया के नियम (2021) नाबालिगों में स्क्रीन की लत को सीमित करते हैं। आयु सत्यापन प्रणाली जैसे आयु प्रतिबंधों के अनपेक्षित परिणाम अक्सर दरकिनार कर दिए जाते हैं, जिससे प्रतिबंधों को लागू करना मुश्किल हो जाता है। यू.के. के अध्ययन (2022) से पता चलता है कि 30% किशोर न्यूनतम प्रयास से आयु जाँच को दरकिनार कर देते हैं। आयु प्रतिबंध डिजिटल शिक्षा को सीमित कर सकते हैं, जिससे युवा ज़िम्मेदार ऑनलाइन बातचीत के लिए तैयार नहीं हो पाते। पहुँच को प्रतिबंधित करने से किशोर अलग-थलग पड़ सकते हैं, जिससे वे महत्त्वपूर्ण सामाजिक संवादों में शामिल नहीं हो पाते।

यूनिसेफ (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया समावेशिता में मदद करता है, खासकर हाशिए पर पड़े समूहों के लिए। प्रमुख प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध युवाओं को कम विनियमित, संभावित रूप से अधिक हानिकारक साइटों की ओर धकेल सकते हैं। प्रतिबंध वाले देशों में, किशोर कम सुरक्षा नियंत्रण वाले आला प्लेटफॉर्म की ओर मुड़ गए हैं, जिससे जोखिम बढ़ गया है। डिजिटल साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा दें युवाओं को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए स्कूलों में व्यापक डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू करें। फि नलैंड का मीडिया साक्षरता सप्ताह छात्रों को डिजिटल सुरक्षा और आलोचनात्मक सोच में प्रशिक्षित करता है।

माता-पिता को अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग की निगरानी और मार्गदर्शन करने में मदद करने के लिए संसाधन प्रदान करें। 2017 चाइल्ड ऑनलाइन प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क डिजिटल मार्गदर्शन में माता-पिता की भूमिका पर जोर देता है। उम्र सम्बंधी प्रतिबंधों के बजाय हानिकारक सामग्री को प्रतिबंधित करने पर ध्यान केंद्रित करें, जिससे सुरक्षित और संयमित उपयोग की अनुमति मिले। जुआ और हिंसा जैसी सामग्री पर फ्रांस के 2022 के चुनिंदा प्रतिबंध पूर्ण प्रतिबंध के बिना युवाओं की रक्षा करते हैं। जबकि सोशल मीडिया पर उम्र सम्बंधी प्रतिबंध सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं, एक संतुलित दृष्टिकोण जो डिजिटल शिक्षा, माता-पिता की भागीदारी और लक्षित सामग्री विनियमन को जोड़ता है, किशोरों की सुरक्षा के लिए अधिक व्यावहारिक है, जबकि उन्हें जिम्मेदारी से सोशल मीडिया से लाभ उठाने की अनुमति देता है।

बाल दिवस पर हरिद्वार पुलिस ने लौटाई चेहरे की खोई हुई मुस्कान

गुम हुई साइकिल वापिस पाकर बच्चा बोला थैंक्यू पुलिस अंकल

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

बच्चे के लिए अपनी प्रिय साइकिल खोने का दुख सबसे बड़ा होता है ऐसा ही एक साइकिल खोने का एक मामला थाना क्षेत्र पिरान कलियर से सामने आया है रात्रि लगभग 2 बजे गश्त के दौरान धनौरी चेतक कर्मियों को एक साइकिल ठक्क तिराहे के पास लावारिस हालत में मिली, आस पास ढूंढने पर कोई मालिक नहीं मिला चूँकि साइकिल छोटे बच्चे की लग रही थी उक्त साइकिल को सुरक्षा की दृष्टि से चौकी धनौरी पर लाया गया। सुबह साइकिल चोरी की तहरीर लेकर एक बच्चा अपने पिता के साथ चौकी आया चौकी पर अपनी सा-इकिल खड़ी पाकर खुशी का ठिकाना न रहा, जिसके द्वारा पुलिस का आभार व्यक्त किया गया, बालक के पिता को सा-इकिल सुपुर्द की गई ।

80 लाख की स्मैक के साथ एसटीएफ ने बरेली का नशा तस्कर किया गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने देहरादून में स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी बरेली का रहने वाला है। आरोपी के पास से पुलिस को करीब 261 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। पकड़ी गई स्मैक की कीमत करीब 80 लाख रुपए बताई जा रही है। एसटीएफ एसएसपी नवनीत भुल्लर ने इस पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि एएनटीएफ को बरेली के स्मैक तस्कर के बारे में जानकारी मिली थी। जिसके बाद एएनटीएफ की टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए अपना जाल बिछाया और उसे देहरादून के पटेल कोतवाली क्षेत्र के कार्गी ग्रांट मुस्लिम कॉलोनी मार्ग से गिरफ्तार किया पुलिस ने बताया कि तस्कर यूपी के बरेली से स्मैक लाया था, जिसे वो देहरादून के अलग-अलग इलाकों में पैडलरों को सप्लाई करने वाला था। पुलिस की गिरफ्त में आए स्मैक तस्कर का नाम तालिब खान है, जो यूपी के बरेली जिले का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ देहरादून की पटेल नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किय गया है। एसटीएफ एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को काफी समय सूचना मिल रही थी कि बरेली के तस्कर देहरादून में स्मैक की सप्लाई कर रहे है। जिसके बाद टीम ने स्मैक तस्करों को चिन्हित किया। इसी क्रम में बरेली की बड़ा स्मैक तस्कर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के हाथ आया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वो बरेली के मजनूपुर गांव का रहने वाला है, जो अपने गांव में स्मैक को खुद तैयार करता है। ये स्मैक वो अपने गांव के गांव मजनुपूर के नाजीम को देने आया था। नाजीम हरिद्वार बाइपास देहरादून में रहता है। पहले भी आरोपी ने अलग माध्यमों से कई बार नाजिम को माल दिया है। इसके अलावा एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को कई अन्य तस्करों के बारे में भी जानकारी मिली है, जिनके खिलाफ भी जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा शिविर का आयोजन

हरिद्वार। 40वीं वाहिनी पीएसी के सम्मेलन कक्ष में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। पी0एस0 सी0 40वीं वाहिनी हरिद्वार में सेनानायक तृप्ति भट्ट आई०पी०एस के नेतृत्व में हरमिलाप मिशन जिला अस्पताल हरिद्वार के चिकित्सकों की टीम द्वारा शिविर का आयोन किया गया जिसमें में 40वीं वाहिनी पीएसी, हरिद्वार के अधिकारी, कर्मचारी, वाहिनी में आवासित परिवार, पीएसी 40वीं वाहिनी पीएसी हरिद्वार के शिक्षकों/विद्यार्थियों एवं परिजनों द्वारा चिकित्सा शिविर का लाभ लिया गया। चिकित्सा शिविर में डॉ० श्यामलता जुयाल साइकोलॉजिस्ट, डॉ० स्वाति वर्मा फिजिशियन मौजूद थे। चिकित्सा शिविर में अधिकारी एवं कार्मिकों का चैकअप कराया एवं उनके परिवारजनों द्वारा खून की जांच भी कराया गयी। सेनानायक तृप्ति भट्ट आईङ्घपीङ्घएस द्वारा हरमिलाप मिशन जिला अस्पताल हरिद्वार के चिकित्सकों टीम एवं वाहिनी अस्पताल से डॉ० विजेन्द्र सिंह कुशवाहा, मुख्य फार्मिस्ट भाग सिंह रमोला एवं फार्मिस्ट चन्दन तनेजा 40वीं वाहिनी की और से अभार व्यक्त किया गया।

आयोजित शिविर में उप सेनानायक सुरजीत सिंह पंवार, शिविरपाल आदेश कुमार, सू० सैन्य सहायक विक्रम सिंह भण्डारी आदि वाहिनी के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा किया गया थाना बुग्गावाला का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

सलामी के बाद थाना परिसर में वृक्षारोपण कर की गई निरीक्षण की शुरूआत

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

बुग्गावाला-रुड़की/ पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा थाना बुग्गावाला का अर्धवार्षिक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिनका संक्षिप्त निम्नवत है झ

1. थाना परिसर/भवन, बैरक का निरीक्षण किया गया व बैरक का रखरखाव व साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई, मालखाने के रखरखाव एवं संपूर्ण सरकारी संपत्ति को चेक किया गया तथा माल निस्तारण किए जाने हेतू निर्देशित किया गया।

2. सरकारी संपत्ति व अस्ला, दंगा नियंत्रण उपकरण, आपदा उपकरण का रखरखाव संतोषजनक पाया गया, अधिकारी/कर्मचारी गणों को अपनी उपस्थिति में वेपन हैंडलिंग कराई गयी । 3. थाना कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण करते हुए सीसीटीएनएस उअर सॉफ्टवेयर के संबंध में सभी अधिकारी व कर्मचारी गणों को उक्त सॉफ्टवेयर में निरंतर रूप से कार्य किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

4. मालों के रखरखाव के संबंध में आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए तथा एमवी एक्ट, लावारिश व अभियोगों से संबंधित मालों का शीघ्र निस्तारण व नीलामी प्रक्रिया के जाने हेतु निर्देशित किया गया ।

5. थाना हाजा पर उपलब्ध सभी अभिलेखों का निरीक्षण किया गया, तथा सभी अभिलेखों को अध्यावधिक करने हेतु निर्देशित किया गया विवेचनाओ व शिकायती प्रार्थना पत्र एंव अन्य जाँचों को समयबद्ध व शीघ्रता से विधिक निस्तारण किए जाने तथा उच्चाधिकारियों द्वारा चलाए जा रहे अभियानों में बढ़-चढ़कर रुचि लेने हेतु निर्देशित किया गया ।

साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं बाबा बनखंडी - आचार्य स्वामी गौरीशंकर दास

हरिद्वार। साधुबेला आश्रम में श्रीमद् भागवत कथा संपन्न होने के पश्चात हवन यज्ञ कर विश्व कल्याण की कामना की गई। एक सौ एक महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन कर बाबा बनखंडी महाराज की आरती की गई। इस दौरान संतों को गर्म वस्त्र, कंबल, जूते इत्यादि भेंट किए गए। इस अवसर पर श्री बनखंडी साधुबेला पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी गौरीशंकर दास महाराज ने कहा कि बाबा बनखंडी भक्तों की सूक्ष्म आराधना से ही प्रसन्न होकर उन्हें मनवांछित फल प्रदान करते हैं। अपनी शरण में आने वाले प्रत्येक दिन दुखी का दीनानाथ अवश्य कल्याण करते हैं। बाबा बनखंडी महाराज की कृपा से साधुबेला आश्रम की सभी शाखाएं सेवा के प्रकल्पों द्वारा समाज कल्याण के लिए कार्य कर रहीं हैं। स्वामी बलराम मुनि महाराज ने कहा कि आचार्य स्वामी गौर-ीशंकर दास महाराज अपने तप एवं विद्वत्ता के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं सनातन धर्म का देश-विदेश में प्रचार प्रसार कर रहे हैं। साधुबेला आश्रम से जुड़े प्रत्येक श्रद्धालु भक्त को गरीब, असहाय, निर्धन लोगों की सेवा का संदेश समय-समय पर दिया जाता है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा

धर्म है। महंत श्रवण मुनि महाराज ने कहा कि संतों का जीवन परमार्थ को समर्पित रहता है। संत समाज अपने भक्तों को ज्ञान की प्रेरणा देकर उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। हम सभी को अपने भीतर सेवा भाव को जागृत कर निराश्रितों के हित में कार्य करने चाहिए। गंगा तट पर किए गए सेवा कार्य से ईश्वर भी प्रसन्न होते हैं।

इस अवसर पर स्वामी बलराम मुनी, गोपाल अवस्थी, दीपा अवस्थी, राम शुक्ला, रवि दुबे, चित्रा दुबे, सुनीता तिवा-री, राकेश तिवारी, निखिल चंदानी, बबीता चंदानी, गोपाल पुनेठा, विष्णु दत्त पुनेठा, इंदु पंडया, मयंक पंडया, आशुतोष शुक्ला, मयूरी शुक्ला, सुमेद दुबे, रश्मि दुबे, जेपी जुयाल विकास शर्मा, सोनू शर्मा, सुनील मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

धर्मनगरी में जगह जगह निकाली जा रही प्रभात फेरी का समापन

मिशन नेशनल न्यूज / लव कुमार शर्मा

हरिद्वार/ गुरु नानक देव जी के 555 वे प्रकाशोत्सव पर पिछले 15 दिनों से धर्मनगरी में जगह जगह निकाली जा रही प्रभात फेरी का समापन वीरवार को हो गया। वीरवार को गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी धरना स्थल से निकली प्रभात फेरी कनखल स्थित निर्मल संतपुरा आश्रम गुरुद्वारे होते हुए गुरु अमरदास तप स्थान से वापस गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी धरना स्थल पहुंची। इस दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर प्रभात फेरी का स्वागत किया और माथा टेका। संत जगजीत सिंह शास्त्री ने बताया कि शुक्रवार (आज) कार्तिक पूर्णिमा पर प्रकाशोत्सव धूमधाम से प्रत्येक गुरुद्वारे में मनाया जाएगा। प्रकाशोत्सव के उपलक्ष में गुरुद्वारों द्वारा नगर कीर्तन भी निकाला गया था। गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा, गोल गुरुद्वारा, कृष्णा नगर गुरुद्वारा, ज्वालापुर गुरुद्वारा, भेल गुरुद्वारा, शिवालिक नगर गुरुद्वारे और गांव देहात क्षेत्र के गुरुद्वारों द्वारा प्रभात फेरियां निकाली गई। जिसमें श्रद्धालुओं द्वारा कीर्तन कर निहाल किया गया। इस अवसर पर महंत रंजय सिंह, बीबी बनिंदर सोढ़ी, संत बलजिंदर सिंह शास्त्री, संत तरलोचन सिंह, संत मंजीत सिंह, सरबजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह बिट्टू, रचिंद्र सिंह, देशराज सिंह, सोहन सिंह, ज्ञानी प्रहलाद सिंह, जीत सिंह ढिल्लो, कुलविंदर सिंह, गजेन्द्र सिंह ओबरॉय, मंजीत सिंह ओबरॉय, सुरेंद्र सिंह मटारू, हरदीप सिंह, कुलदीप सिंह, जगजीत सिंह, ज्ञानी देवेंद्र सिंह, सरबजीत कौर, सरनजीत सिंह, अपनिंदर कौर, सुमन शर्मा, कंचन तनेजा, चिराग अरोड़ा, गजेन्द्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, प्रेम सिंह, सचिन गांधी, हरदीप सिंह, देवेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

किया गया कार्य की गुणवत्ता के विषय मे निर्देशित

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा विकास खण्ड रुड़की में समीक्षा बैठक की गयी। समीक्षा बैठक के समय निरीक्षण के समय जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश परियोजना निदेशक के०एन० तिवारी खण्ड विकास अधिकारी श्रीमती सुमन कुटियाल दत्ताल, सहायक विकास अधिकारी (पं०) बनेश कुमार, सहायक खण्ड विकास अधिकारी मनोज कोठारी, सहायक समाज कल्याण अधिकारी श्रीमती संध्या शर्मा, लेखाकार प्रथम हरीश गर्ग, लेखाकार द्वितीय मुनेश चौहान, प्रधान सहायक फरीद अहमद, समस्त कार्यालय एव फील्ड स्टॉफ उपस्थित रहा।

सर्वप्रथम मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा समस्त स्टॉफ से परिचय प्राप्त किया गया तत्पश्चात विभागवार विस्तृत समीक्षा की गयी

1. पंचायत राज विभाग की समीक्षा मे विकास खण्ड में कार्यरत ब्लॉक कोर्डिनेटर / डाटा एण्ट्री आपरेटर की नियुक्ति के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी जिसमे मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा प्रत्येक ब्लॉक कोर्डिनेटर को न्याय पंचायतो का समान रूप में कार्यभार प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया तथा ग्राम पंचायतो मे वित्तीय वर्ष 2024-25 मे आवंटित धनराशि से कराये गये कार्यों की प्रकृति के विषय मे समीक्षा की गयी।

2. प्रधानमंत्री आवास योजना प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा की गयी समीक्षा में पाया गया कि विकास खण्ड मे गतवर्षी 2016-17 से 2023-24 मे आवंटित्त प्रधानमंत्री आवास आतिथि तक अपूर्ण है जिनको समय से पूर्ण करने हेतू निर्देशित किया गया।

3. मेरा गाँव मेरी सडक योजना के अर्न्तगत ग्राम विकास अधिकारी वार समीक्षा की गयी समीक्षा मे अपूर्ण सडक निर्माण को माह नवम्बर के अन्तिम सप्ताह तक पूर्ण करने का आश्वासन ग्राम विकास अधिकारीयो द्वारा मुख्य विकास अधिकारी महोदया को दिया गया तथा मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा कार्य की गुणवत्ता के विषय मे निर्देशित किया गया। तथा सम्बंधित कनिष्ठ अभियन्ता मनरेगा को प्रतिदिन साईट विजिट करने हेतू भी निर्देशित किया गया।

4. मनरेगा- मनरेगा से सम्बंधित कार्यों की समीक्षा में मनरेगा के द्वारा कार्यों की प्रगति के बारे मे उप कार्यकम अधिकारी मनरेगा द्वारा विस्तृत रूप से बताया गया। तथा अवशेष अपूर्ण कार्यों हेतू मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा निर्देशित किया गया। 5. एन०आर०एल०एम०-ब्लॉक मिशन प्रबंधक (एन०आर०एल०एम०) के द्वारा विकास खण्ड मे

संचालित स्वयं सहायता समूह की प्रगति के विषय मुख्य विकास अधिकारी महोदया को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। जिसपर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। 6. रिफ मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा समीक्षा मे ग्राम पंचायत स्तर पर कलेक्शन सेंटर

हेतू भूमि का चयन कर अतिशीघ्र मुख्यालय को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।

7. विकास खण्ड परिसर मे अवस्थित कैन्टिन का मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय स्वयं सहायता समूह के द्वारा बनाये गये उत्पादो का अवलोकन किया गया। जिसमे मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संतोष प्रकट किया गया।

8. विकास खण्ड परिसर मे अवस्थित पशुपालन केन्द्र का निरीक्षण किया गया निरीक्षण में पशु चिकित्सा अधिकारी को प्रथक भूमि हेतु कार्यालय में अनुरोध पत्र प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।

9. विकास खण्ड परिसर मे अवस्थित लाइब्रेरी केन्द्र को और अधिक सुदृढ करने हेतु निर्देशित किया गया।

हमारा नेपाल से रोटी बेटी का है संबंध

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून पिथौरागढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि ऐतिहासिक मेले हमारे पारम्परिक धरोहर होते है। उन्होंने कहा कि यह मेला हमारे राज्य के लिए अनमोल धरोहर है और समद्ध परम्पराओं को संजाने का काम करता है और भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंध रहे है। उन्होंने कहा कि पडोसी देश नेपाल से जुडे हुए है और नेपाल से रोटी बेटी का संबंध है। यहां पिथौरागढ़ में जौलजीबी मेले के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल से प्रगाढ संबंध है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में व्यापक स्तर पर यहां विकास कार्य किये जा रहे है और नेपाल में सांस्कृतिक के साथ साथ आर्थिक संबंधों को बढाया है और इन चुनौतियों के साथ छोटे व्यापारियों कारीगरों को एक मंच प्रदान करने का बहुत बडी भूमिका निभाता है और सीमावर्ती क्षेत्रों में वाईब्रेंट विलेज के रूप में काम किया जा रहा है और अंतिम गांव के गांवों को पहले गांवों की संज्ञा दी गई है और गुंजी, मलारी और माणा सहित अनेक गांव है जिन्हें पहले गांव की संज्ञा दी गई है और आदि कैलाश की यात्रा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है और इसके बाद दस हजार से ज्यादा

लोगों ने आदि कैलाश के दर्शन किये है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार किसानों की आय को दुगना कर रही है और मिलेट मिशन को मंजूरी दी और राज्य में होने वाले उत्पादों को खरीदा जायेगा और विपणन की व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने कहा कि परम्परागत खेती को आगे बढाने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज जिन किसानों ने खेती करना छोड़ दिया था और आज वह भी फिर से खेती कर रहे है और नये किसान एक समय मंडुवे की रोटी और इसका फाणा गरीब लोगों का भोजन था और आज बडे बडे लोग मंडुवे की डिमांड रहे है। उन्होंने कहा कि कलस्टर आधारित 18 हजार कलस्टर बनाने का निर्णय लिया है और बागवानी के क्षेत्र में काम कर रहे है और सेब का उत्पादन कर रहे है और सडक कनेक्विटी के कारण किसान अपने उत्पादों को विपणन कर रहे है और 42०० किलोमीटर सडकों का निर्माण किया जा चुका है और शेष सड़कों का निर्माण किया जा रहा है और छारछुल में मोटर पुल का निर्माण किया जा रहा है और कई क्षेत्रों में विकास कार्यो के लिए 44 करोड रुपए की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्र विकास की दृष्टि से अछूते न रहे और इनका व्यापक स्तर पर विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में चारधाम केदारखंड में अनेक कार्य किये गये है और मानसखंड में भी अनेकों कार्य किया गया है और पहले चरण में सोलह मंदिरों के पुनरोद्धार के लिए रखा गया है और प्रधानमंत्री का इस क्षेत्र से बहुत बडा जुडाव है और जब भी मैं प्रधानमंत्री से मिलता है तो वह पूछते है कि आदि कैलाश में पहुंचने वालों की संख्या कितनी हो गई है और उत्तराखंड प्रधानमंत्री के हृदय में बसता है।

उन्होंने कहा कि गुंजी को पर्यटन ग्राम के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है जो हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हैली सेवा के शुरू होने से यहां पर पर्यटन को बढावा मिला है और व्यापार में भी बढोत्तरी हो रही है और व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के जिलाधिकारी को निर्देशित किया और मकगना मोटर मार्ग निर्माण की घोषणा के साथ अनेक योजनाओं की घोषणा की और इससे जनता की सुविधाओं व सुरक्षा का लाभ प्रदान होगा और सरकार पूरी निष्ठा के साथ सभी की सुविधओं के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि कोई भी जनहित में निर्णय लेने में एक मिनट की देरी नहीं करते है और स्थानीय कलाकारों, विद्यार्थियों, व्यवसाईयों को, सुरक्षा कर्मी, पुलिस के लोगों को बधाई दी और मल्लिकार्जुन महोत्सव भी आज से शुरू हो रहा है और गौचर का अंतर्राष्ट्रीय मेले का शुभारंभ करना है और मल्लिकार्जुन महोत्सव को यहां से ही बधाई है और मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और मेले में चुनौतियां है और जिलाधिकारी इसे देख लेंगी। उन्होंने कहा कि धनराशि तय कर ली जायेगी और सभी को धन्यवाद दिया। इसअवसर पर जन प्रतिनिधि, अधिकारी, किसान, व्यापारी और क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री ने 72वें राजकीय गौचर मेले का किया शुभारंभ

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

चमोली गौचर में 72वॉ राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक मेले का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गौचर मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चमोली में 4.93 करोड़ की लागत से नवनिर्मित उप संभागीय परिवहन कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पोखरी में रानौ-सिमखोली मोटर मार्ग, काफलपानी से भरतपुर तक मोटर मार्ग विस्तारीकरण, जिलासू-सरणा मोटर मार्ग निर्माण, चमोली प्रेस क्लब को कक्ष निर्माण हेतु दस लाख की स्वीकृति, आगामी नंदादेवी राजजात यात्रा के लिए ढांचागत सुविधाओं के विकास हेतु माह दिसंबर में उच्च स्तरीय बैठक कराने और पोखरी में पालिटेक्निक भवन निर्माण कार्य पूरा कराने की घोषणा भी की। इस अवसर पर गौचर मेले में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गौचर मेला संस्कृति, बाजार तथा उद्योग तीनों के समन्वय के कारण एक प्रसिद्ध राजकीय मेला है। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक गौचर मेले के शुभारंभ पर सबको बधाई देते हुए कहा कि सात दशकों से अधिक समय से इस मेले का आयोजन हमारे राज्य और सब क्षेत्रवासियों के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि गौचर मेला हमारे राज्य के प्रमुख ऐतिहासिक मेलों में से एक है, जिसमें सरकार की विभिन्न विभाग सक्रिय होकर प्रतिभाग करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले हमारे जीवन में बहुत विशेष स्थान रखते हैं। मेलों के माध्यम से समृद्ध परंपराएं को संजोने में सहायता मिलती है। साथ ही मेले, मनोरंजन और सामाजिक मेल मिलाप मे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौचर का मेला अन्य मेलों और विशेष है। यह मेला हमारी संस्कृति को संजोने एंव व्यापारिक गतिविधियों को भी एक बड़ा मंच प्रदान करता आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक ओर भारत में सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित किया जा रहा है। वहीं वोकल फार लोकल, मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया जैसे पहलुओं के माध्यम से हमारे स्थानीय उद्योगों और स्वयं सहायता समूह में काम करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में हमारी सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरूआत भी की है। जिसमें स्थानीय उत्पादों को राज्य में ही नहीं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पहचान मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक विचार करने का दिया भरोसा

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून जौलजीबी उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने जौलजीबी में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से दो वर्ष का कार्यकाल प्रशासनिक समिति के माध्यम से बढ़ाए जाने हेतु घोषणा किए जाने का अनुरोध किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मांग को लेकर उन्होंने एक समिति का गठन किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि समिति की रिपोर्ट आने पर इस मांग पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाएगा।

इस अवसर पर जौलजीबी मेले के उद्घाटन के लिए पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा डीडीहाट के विधायक बिशन सिंह चुफाल के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर संगठन के राज्य संयोजक जगत मर्तोलिया ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रशासनिक समिति के माध्यम से उत्तराखंड के 12 जनपदों में दो वर्ष का कार्यकाल बढ़ाए जाने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक राष्ट्र एक चुनाव का विजन तभी पूरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब उत्तराखंड में एक राज्य एक पंचायत चुनाव संपन्न होगा।

उन्होंने बताया कि अभी हाल में ही मध्य प्रदेश सरकार ने भी एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए अपने प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल प्रशासनिक समिति के माध्यम से बढे का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि विधायक बिशन सिंह चुफाल ने भी मुख्यमंत्री से इस मांग पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि सरकार की ओर से इस मांग पर एक समिति का गठन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि समिति की रिपोर्ट आने की प्रतीक्षा की जा रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार इस मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है। उन्होंने प्रदेश के पंचायत प्रतिनिधियों आश्वासन दिया कि उनकी मांग पर अवश्य सकारात्मक विचार होगा। इस मौके पर धारचूला के क्षेत्र प्रमुख धन सिंह धामी, विकास खंड मूनाकोट के ग्राम प्रधान संगठन के अध्यक्ष दिवाकर जोशी, सोनू चंद आदि उपस्थित रहे।

दून में उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के बाहर छात्रों में चले लाठी डंडे, सड़क पर अफरा-तफरी

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ छात्रों के झगड़े का वीडियो, पुलिस को नहीं लगी भनक

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

दून के प्रेमनगर क्षेत्र में एक निजी विवि के बाहर बड़ी संख्या छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों गुटों में लाठी-डंडे और लात-घूंसे चलने लगे। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हालांकि, प्रेमनगर पुलिस ने इस तरह की किसी सूचना से इन्कार किया है। साथ ही वीडियो के आधार पर मामले की जांच करने की बात कही है।

प्रेमनगर के पास नंदा की चौकी स्थित उत्त-रांचल विश्वविद्यालय के बाहर सड़क पर छात्रों के दो गुटों में जमकर बवाल हुआ। दोनों गुटों में विवि के बाहर ही काफी देर तक लाठी-डंडे चले। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामले में पुलिस जांच कराने की बात कह रही है। जानकारी के अनुसार प्रेमनगर में एक विवि के बाहर छात्रों के दो गुट किसी बात को लेकर आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते बवाल

में बदल गई। दोनों गुटों में काफी देर तक लाठी-डंडे चले। बवाल देख आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो बुधवार का बताया जा रहा है। वीडियो में कुछ छात्र बीच-बचाव करते भी दिख रहे है। प्रेमनगर एसओ गिरीश नेगी का कहना है कि छात्रों में विवाद की अभी तक कोई जानकारी नहीं है। अगर कोई वीडियो वायरल हुआ है तो जांच कराई जाएगी

पुरानी जेल परिसर में कांग्रेसियों ने मनाई पंडित नेहरू की जयंती

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून पुरानी जेल परिसर में स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय पंडितजवाहरलाल नेहरू की जयंती वर्ष व बाल दिवस के अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट ने मुख्य अतिथि तथा पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा सहित सैकड़ों कांग्रेसजनों नें प्रतिभाग कर पंडित जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नेहरू ब्रिगेड के कार्यकताओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया और तत्पश्चात मिष्ठान्न वितरण किया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए पूर्व काबीना मंत्री हीरा सिंह बिष्ट ने कहा कि स्वर्गीय पण्डित जवाहर लाल नेहरू द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के दौरान किये त्याग और योगदान पर हमें गर्व है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रगतिशील, धर्मनिरपेक्ष और आधुनिकि भारत की जो आधारशिला रखने में योगदान दिया उसके लिए हम सब भारतवासी उन्हें कृतज्ञता से याद करते हुए नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू के पंचशील के सिद्धांत आज भी पूरी दुनिया को शांति का संदेश देते हैं। उन्होंने संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में समाजवाद, लोकतंत्र व नियोजन का नया प्रयोग किया था जिससे पूरे विश्व में लोकतंत्र की बयार को नई दिशा मिली थी। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के निर्माण

में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हुए भारत के औद्योगिक विकास की मजबूत नींव खड़ी की थी। उन्होंने कहा कि आजाद भारत की मजबूत अर्थ व्यवस्था की बुनियाद उनके कुशल नेतृत्व व दूरदृष्टि व विकास की सोच के कारण ही पड़ पाई थी। उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू ने पूरे विश्व में भारत के विकास का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया था। आज भी उन्हें पूरे विश्व में मिश्रित अर्थ व्यवस्था का जनक माना जाता है। इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लाल चंद शर्मा ने कहा कि स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू एवं उनके द्वारा किये गये कार्यों तथा उनकी स्मृतियों को मिटाने के लिए कुछ शक्तियां जो इस समय सत्ता मद में चूर हैं, अनेकानेक कुत्सित प्रयास कर रही हैं हमें उनके इस कुप्रयास का जवाब देना है। उन्होंने कहा कि जो लोग आज भारत की राजनीति से कांग्रेस को मुक्त करने की बात कर रहे हैं उन्हें हिन्दुस्तान की जनता समय-समय पर जवाब दे रही है एक समय वे भारत की राजनीति से स्वयं मुक्त हो जायेंगे। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक भारत के निमार्ता स्वर्गीय पडित नेहरू बहुलतावादी समाज, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय तथा साझा समृद्धि के लिए राष्ट्र के संसाधनों पर समान अधिकार और अवसर के पक्षधर थे।

सड़क सुरक्षा: जिलाधिकारी देहरादून की दो टूक..एक सप्ताह के अंदर शहर के सभी सीसीटीवी कैमरें दुरुस्त हो..कैमरों की प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन भेजना सुनिश्चित करें: डीएम

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून: पिछले दिनों ओवर स्पीड के कारण ट्रक (कंटेनर) और कार की भीषण टक्कर में 6 युवाओं की मौके पर दर्दनाक मौत ने एक बार फिर पुलिस और जिला प्रशासन जैसी सरकारी एजेंसियों को चिंता में डाल दिया हैं.इसी क्रम में गुरुवार 14 नवम्बर 2024,को जिलाधिकारी देहरादून के निदेर्शों के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा जनपद के शहरी क्षेत्रों लगे सीसीटीवी कैमरे की अद्यतन स्थिति के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई.इस दौरान प्रशासन ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के विभिन्न स्थलों पर लगे सीसी कैमरों को 0-7 दिन के भीतर ठीक करना सुनिश्चित करेंगें. साथ ही कैमरों के सुधार की प्रगति रिपोर्ट को प्रतिदिन भेजना सुनिश्चित करेंगे. स्मार्ट सिटी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि कि स्मार्ट सिटी के वर्तमान में 536 कैमरे हैं,जिनमें से 402 ऑनलाईन है और 134 ऑफलाईन है.पुलिस के 299 कैमरे हैं, जिनमें 161 फील्ड में जबकि 138 थानों में लगे हैं.इनमें से 09 कैमरे खराब है,जिनको मरम्मत किया जाना है. बैठक में निर्देशित किया कि कैमरों की सुधारीकरण की रिर्पोट प्रस्तुत करेंगे,साथ ही रेखीय विभाग के अधिकारियों यथा बीएसएनल, यूपीसीलए, लोनिवि आदि सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विभागों को इस कार्य में समन्वय करने के निर्देश दिए. साथ ही जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली सड़क सुरक्षा के बैठक में सुधार की अद्यतन स्थिति के साथ उपस्थित होने को कहा.बैठक में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्मार्ट सिटी लि. तीरथपाल सिंह, पुलिस अधीक्षक यातायात मुकेश कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह,विद्युत, बीएसएनल, सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें..

हरिद्वार के खेल मैदान में ब्लाक स्तरीय खेल महाकुम्भ ब्लाक बहादरबाद का शुभारम्भ

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, हरिद्वार के खेल मैदान में ब्लाक स्तरीय खेल महाकुम्भ ब्लाक बहादरबाद का शुभारम्भ युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाण हरिद्वार के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती आशा नेगी ब्लाक प्रमुख बहादराबाद द्वारा किया गया। आज की प्रतियोगिता में न्याय पंचायतों से जीतकर आये हुए अंडर 14 आयु वर्ग के बालक बालिकाओ की एथलेटिक्स, वालीवाल, खो-खो, कवड्डी की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। ब्लाक प्रमुख श्रीमती आशा नेगी जी के दद्वारा खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाए दी गई तथा कहा गया कि सभी खिलाड़ी पूर्ण रूप से अनु- शासित रहकर खिल- भावना से अपने खेल का उत्कृष्ट प्रर्दशन कर तथा उत्तराखण राज्यों को खेलों में अग्रणी राज्य बनाने के लिए पूरी सिद्दत से मेहनत करें। सभी विजयी प्रतिभागियों को ब्लॉक प्रमुख द्वारा मैडल व प्रमाण पत्र दिया गया। प्रथम स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को 500 (पांच सौ रुपया) द्वितीय स्थान 400 (चार सौ रुपया) तथा तृतीय स्थान 300 (तीन सौ रुपया) नगर पुरस्कार उनके द्वारा दिए गए बैंक खातों में भेजा जायेगा । आज की प्रतियोगिता का परिणाम निम्नवत रहा । बालिका वर्ग। 60 मी दौड़ में प्रिया फेरूपुर प्रथम, सोनाली सलेमपर द्वितीय, आरुषी बहादराबाद तृतीय रही। 600 मी की दौड़ में विधिपाल फेरुपुर प्रथम, हुमेरा बहादराबाद द्वितीय , नंदिनी रणसुरा तृतीय रही। लम्बी कूद में विधिपाल फेरुपुर प्रथम, प्रिया नेगी सलेमपुर द्वितीय, अनुष्का बहादराबाद तृतीय रही। ऊंची कूद सलोनी फेरूपुर जनपद हेतु चयन किया गया। गोला फेंक रक्षिता रावत प्रथम, दृष्टि राणा द्वितीय रही। कबड्डी में औरंगाबाद के टीम प्रथम, बादशाहपुर द्वितीय व सलेमपुर तृतीय रहा।

खो-खो जमालपुरकला प्रथम, बहादराबाद द्वितीय व फेरुपूर तृतीय बनी रहा। वालीबॉल में बहादराबाद की टीम प्रथम व जमालपुर द्वितीय रही। बालक वर्ग। 60 मी दौड में दीपांशु लालढगा प्रथम, संजीव कोटामुरादनगर द्वितीय, वंश फेरुपूर तृतीय रहे। 600 दौड़ में विराट फेरुपुर प्रथम, प्रियांशु लालढंगा शित, आयुष कोटामुरादनगर तृतीय रहे। लम्बी कुद में दीपांशु लालबाग प्रथम, वैश सलेमपुर द्वितीय, विराट फेरूपुर तृतीय रहे।ऊंची कूद में शान्तनु बहादराबाद प्रथम, अकुंश औरंगावाड द्वितीय यथार्थ चौहान लालढंगा तृतीय रहे। गोला फेक गौरव सलेमपुर प्रथम ईशान्त चौधरी द्वितीय, अशुल औरंगावाड तृतीय रहे। वॉलीबाल में जमालपुरकला की टीम प्रथम तथा बहादराबाद द्वितीय रहे। कबड्डी में बहादराबाद प्रथम, बादशाहपुर द्वितीय व फेकपुर द्वितीय रहे। खो-खो में जमालपुर प्रथम, बहादरहबाद व लालढंगा तृतीय रहे।

जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला कार्यालय सभागार सम्पन्न हुई

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जनपद में यातायात को सरल, सुगम व सुरक्षित बाने के लिए परिवहन, लोनिवि, एनएचएआई तथा पुलिस विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जनपद में ब्लैक स्पोट्स चिन्हित करते हुए प्राथमिकता से कार्यवाही अमल में लाई जाये। नगर निगम रूड़की को देवबंद ओर झबरेडा तिराहे पर ट्रैफिक लाइट ना होने पर जल्द प्रस्ताव बनाकर लाइट लगवाने के निर्देश दिए। छभ्।प् को खैरा ढाबा से श्यामपुर तक साइन बोर्ड ओर डायवर्सन बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए,उन्होंने जनपद में होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।

उन्होंने निर्देश दिये कि तहसील स्तर महीने में एक बार बैठक हो। उन्होंने बीएचईएल में बनाए गए चौराहे मानकों के अनुरूप बने है कि नहीं पीडब्लूडी, एआरटीओ ओर सीओ मिलकर रिर्पोट देंगे।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वाहन दुर्घटना में घायलों तक स्वास्थ्य सेवाएं एवं एम्बुलेंस पहुँचाने में रेस्पोन्स टाइम कम से कम किया जाये।

जिलाधिकारी ने एआरटीओ अधिकारी को शुगर मिल के आसपास क्षेत्रों में ट्रैक्टर ट्रॉली पर रिफ्लेक्टर टेप लगवाने के साथ ही चंडी चौक पर शाम को चौकिंग बढ़ने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागों में जो डाक आती है उसको जरूर पढ़े ,उसमें भी जरूरी सूचनाएं होती है नजर अंदाज न करे। सभी विभागों के लोग मीटिंग में आने से पहले तैयारी कर के आए की पिछली मीटिंग में क्या क्या प्रोसिडिंग हुई। ओर अगर किसी विभाग के पास कार्य के लिए धन नहीं है तो प्रस्ताव बनाकर मांग ले।

बैठक में संयुक्त मजिस्ट्रेट आशीष कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक पंकज गैरोला, उप जिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार, डा0 आर के गुप्ता, एआरटीओ रश्मि पंत, एएनएचआई अभिशेक कुमार, सचिव रेड क्रास नरेश चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, सीओ ट्रेफिक नताशा सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

11 किलो चरस के साथ हरियाणा का शातिर तस्कर गिरफ्तार, तीन फरार

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

चम्पावत: चंपावत में पुलिस ने 11 किलो चरस के साथ हरियाणा के शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। जबकि तीन आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपी को रीठा साहिब के दूरस्थ बुड़म क्षेत्र में चेकिंग अभियान के दौरान पकड़ा।

11 किलो चरस के साथ हरियाणा का शातिर तस्कर गिरफ्तार

चंपावत पुलिस को एक बड़े चरस तस्कर को पकड़ने में कामयाबी हासिल हुई। एसपी चंपावत अजय गणपति ने बताया कि 13 नवंबर को चंपावत जिले के रीठा साहिब क्षेत्र में एसओ कमलेश भट्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा रीठा साहिब के दूरस्थ बुड़म क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया हुआ था।

इसी दौरान पुलिस ने एक अपाचे मोटरसा- इकिल को रोका तथा मोटरसाइकिल सवारों की तलाशी लेने पर पुलिस को भारी मात्रा में 11 किलो 200 ग्राम चरस बरामद की। पुलिस के द्वारा अभियुक्त साहिल नेहरा पुत्र शमशेर नेहरा निवासी रोहतक हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया है।

एक आरोपी गिरफ्तार और तीन फरार

एसपी अजय ने बताया इस दौरान एक अभियुक्त भागने में सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है। एसपी ने बताया घटना में शामिल दो लोग जो आरोपियों के साथ में आए थे और कार से आगे रेकी करते हुए जा रहे थे वो भी भागने में सफल रहे। उनके गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। एसपी ने जानकारी देते हुए बताया पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि तीनों लोगों के द्वारा देवीधुरा निवासी एक युवक से ये चरस खरीद कर लाई जा रही थी।

उन्होंने बताया इस युवक के द्वारा स्थानीय लोगों से कम दामों में चरस खरीद कर ऊंचे दामों में बेची जाती है। उनके द्वारा पूर्व में भी चरस इस व्यक्ति से खरीदी गई थी। जिसे वो लोग हरियाणा ले जाकर ऊंचे दामों में बेचते थे। उन्होंने बताया इस चरस को ले जाने में उनके द्वारा पुलिस से बचाव के लिए इस मार्ग का चयन किया था।

स्वास्थ्य शिविर में 130 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनको उचित परामर्श दिया गया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

डोईवाला, पब्लिक इंटर कॉलेज में बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया भगत सिंह सदन रस्सा खींच प्रतियोगिता में अव्वल रहा। आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 130 बच्चों का स्वास्थ्य पर- ीक्षण कर उनको उचित परामर्श दिया गया। मुख्य अतिथि राजकीय होम्योपैथी चिकित्सालय की चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर प्रियंका भारद्वाज ने कहा कि बच्चे किसी भी राष्ट्र की असली धरोहर होते हैं ,अभिभावक और शिक्षक बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पूरा ध्यान रखें। शुक्रवार को बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कक्षा 11 की छात्राओं अक्षरा आंचल ने गढ़वाली गीत पर सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। शालू ने चाचा नेहरू के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला, सबा ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। आयोजित स्वास्थ्य शिविर में छात्र-

छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें रोग प्रतिरोधक दवाई पिलाई गई 130 से ज्यादा छात्र-छात्र- ाओं का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्रबंधक मनोज नौटियाल ने कहा कि आधुनिक भारत की नीव को रखने में पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का बहुत बड़ा योगदान रहा है, जिन्होंने अपने 17 वर्षों के प्रधानमंत्री काल में देश को नई ऊंचाइयां प्रदान की। प्रधानाचार्य नरेश कुमार वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने विकास के मार्ग को तैयार करना चाहिए। इससे पूर्व अतिथियों द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्प चढ़कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया विद्यालय द्वारा रस्सा खींच प्रतियोगिता में अव्वल रहे भगत सिंह सदन के छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सभासद ईश्वर रौथाण, गौरव मल्होत्रा हितेंद्र सिंह सैनी वरिष्ठ अध्यापक आलोक जोशी, अश्वनी गुप्ता, भुवनेश वर्मा, अनीता पाल रत्नेश द्विवेदी ओम प्रकाश काला, विवेक बधानी, सुदेश सहगल, तेजवीर सिंह, पूजा जोशी, राधा गुप्ता, अनीता पाल, चेतन प्रसाद कोठारी के अलावा चिकित्सा टीम के राजेंद्र कुमार, श्रीधर शर्मा, विजया, सरिता कौर, अमित मौर्या के अलावा तमाम छात्र छात्राएं मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग अध्यक्ष अश्वनी गुप्ता ने किया।

बस मार्शलों के नियमितीकरण में स्पष्ट निर्णय ज़रूरी : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बस मार्शलों को नियमित करने के मामले में मुख्यमंत्री आतिशी मर्लेना और उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को लुका छिपी का खेल नहीं कर स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए।दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार ने यहां जारी बयान में कहा कि सुश्री आतिशी ने बस मार्शलों की नियुक्ति प्रदूषण योद्धाओं के तौर पर करने की बात की थी लेकिन अब वह नियुक्ति फाइल उपराज्यपाल के पास भेजने की बात कर रही हैं। इस मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय और उपराज्यपाल एक दूसरे पर दोषारोपण कर जिम्मेदारी से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर इन मार्शलों को नियमित करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया तो दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव की अगुवाई में मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल आवास का घेराव करेगी।

दिल्ली सरकार प्रदूषण के रोकथाम में विफल: वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मॉडल की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण की रोकथाम में विफल है, जिसके कारण दिल्लीवासियों का जीना दूभर हो गया है। लोग गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।वीरेंद्र सचदेवा ने आज यहां एक बयान में कहा कि दिल्ली सरकार जहां एक ओर प्रदूषण को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है वहीं दूसरी ओर दिल्ली वालों पर गंदे पेयजल जनित बीमारियों के साथ ही चिकनगुनिया, डेंगू एवं मलेरिया का खतरा पहले से कहीं अधिक मंडरा रहा है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, दिल्ली धुएं में ढकी हुई है। पूरी राजधानी गैस चैंबर में तब्दील हो गई है। पीएम. 2.5 स्तर चार सौ पार है तो पीएम 10 का स्तर एक हजार पार है और यहां अरविंद केजरीवाल, आतिशी एवं गोपाल राय के अलावा हर आदमी खांस रहा है। उन्होंने कहा कि ओखला लैंडफिल साइट को लेकर आई रिपोर्ट के अनुसार वहां कैंसर फैलाने लायक कण भी हवा में पाये गये हैं, जो लोगों को विचलित करते हैं। छोटे बच्चे एवं बुजुर्ग प्रदूषण के सबसे बड़े शिकार बन रहे हैं। उन्होंने मांग की कि दिल्ली सरकार पांचवी तक के स्कूल बंद करे और प्रदूषण दवा क्लीनिक खोले।

मुख्यमंत्री आतिशी व पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल का किया दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सुबह सिविल लाइंस स्थित दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल का दौरा कर छात्रों से मुलाकात की। दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में कक्षा छठी और नौवीं के लिए भारत के अलग-अलग राज्यों में टैलेंट स्काउटिंग के जरिए खेल प्रतिभाओं को चुना जाता है और इस आवासीय स्पोर्ट्स स्कूल में उन्हें 10 ओलंपिक खेलों के लिए ट्रेनिंग और सुविधाएं दी जाती हैं।इस अवसर पर मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि, अबतक देश में हमेशा पढ़ाई और खेल को अलग-अलग माना गया। यही कारण है कि इतनी बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद ओलंपिक में जब पदक तालिका देखी जाती है तो हम बहुत नीचे होते हैं। दिल्ली सरकार इस अवधारणा को बदलने का काम कर रही है। हम दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और इसके अंतर्गत दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल के द्वारा ये माहौल बनाने का प्रयास कर रहे है जहां खिलाड़ियों का खेल ही उनकी पढ़ाई होगी और देश का हर आदमी कह सकेगा कि खेल भी पढ़ाई है। वहीं, मनीष सिसोदिया ने स्पोर्ट्स स्कूल के छात्रों से कहा कि स्पोर्ट्स स्कूल मेरे लिए एक सपने जैसा था, जिसे सच होता देखना भावुक पल है। उन्होंने साझा किया कि एक समय था जब यहां एक टूटी-फूटी बिल्डिंग होती थी लेकिन आज यहां वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस ये शानदार स्पोर्ट्स स्कूल है, जिसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता है।

जूतों के गोदाम में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। फतेहपुर बेरी स्थित जूते-चप्पलों के गोदाम में सुबह भयंकर आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि हादसे के समय गोदाम के अंदर कोई नहीं था। इ दमकल विभाग के अनुसार सुबह करीब चार बजकर आठ मिनट पर सूचना मिली थी कि जूते के एक गोदाम में आग लग गई है। इस पर तुरंत दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। जब दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे तो पूरे गोदाम में आग फैल चुकी थी। चारों तरफ धुआं ही धुआं फैल गया। इस पर दमकल की अतिरिक्त गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल की 15 गाड़ियों की मदद से करीब चार घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। गनीमत रही कि हादसे के समय कोई कर्मचारी गोदाम के अंदर नहीं था। गोदाम के अंदर जूतों के अलावा प्लास्टिक की चप्पलें रखी थीं। इसकी वजह से आग ने तेजी से विकराल रूप अख्तियार कर लिया। प्लास्टिक की वजह से भी आग को काबू करने में ज्यादा समय लगा। दमकल अधिकारी ने मौके पर क्रेन को मंगवाया। इसकी मदद से टीनशेट को हटाकर पानी की बौछार की गई।

'मन की बात' से ख्याति प्राप्त उधमपुर के कलाकार गौरीनाथ को केंद्रीय मंत्री ने भेंट किया नया 'सारंगी' वाद्य यंत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। डोगरा संस्कृति और कला के प्रति सम्मान का एक अनूठा भाव प्रदर्शन करते हुए केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने उधमपुर (जम्मू-कश्मीर) के एक प्रसिद्ध पारंपरिक डोगरा कलाकार गौरीनाथ को एक नया सारंगी संगीत वाद्ययंत्र भेंट किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने हाल के रेडियो कार्यक्रम मन की बात में उनका उल्लेख और प्रशंसा की थी। डा. जितेन्द्र सिंह लोकसभा में उधमपुर का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। सारंगी वाद्य यंत्र भेंट करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से गौरीनाथ को दिवाली उपहार के रूप में नया सारंगी वाद्य यंत्र भेंट करने का निर्णय किया गया था लेकिन डॉ. जितेन्द्र सिंह के भाई के असामयिक निधन के कारण ऐसा नहीं हो सका।

नतीजतन, शोक अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद आज यह उपहार भेंट किया जा रहा है।गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के 115वें संस्करण में गौरीनाथ एक कलाकार के रूप में शामिल हुए थे, जिन्होंने अपनी पारिवारिक विरासत, सौ साल पुरानी सारंगी से दर्शकों का मन मोह लिया था। वे एक ऐसे कलाकार भी हैं, जो डोगरा विरासत का सार दिखाने वाली प्राचीन कहानियां और गीत साझा करते हैं। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गौरीनाथ की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक 'असाधारण व्यक्ति' बताया, जिनके अपनी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति समर्पण ने पारंपरिक कला के अद्वितीय संरक्षण को प्रेरित किया। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शब्द उधमपुर के लिए गर्व का क्षण थे, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे गौरीनाथ के अथक प्रयासों ने संगीत के माध्यम से क्षेत्र के समृद्ध इतिहास में जान फूंकी है। प्रधानमंत्री ने कहा, देश के विभिन्न हिस्सों में, कई असाधारण लोग हैं जो अपने-अपने अनूठे तरीकों से सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में लगे हुए हैं। उधमपुर के गौरीनाथ द्वारा भी ऐसा ही प्रयास किया जा रहा है।

एलजी ने दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए सिविल डिफेंस वालंटियर्स की तैनाती को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने दिल्ली में वायु प्रदूषण के मौजूदा हालात से निपटने के लिए सिविल डिफेंस वालंटियर्स (बस मार्शलों) की तैनाती को मंजूरी दे दी है। ये तैनाती एक नवंबर 2024 से 28 फरवरी 2025 तक चार महीने की अवधि के लिए की जाएगी। इन वालंटियर्स की सेवाएं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कहने पर 1 नवंबर 2023 से खत्म कर दी गई थीं। उस समय ये बस मार्शल के रूप में कार्यरत थे। मौजूदा वक्त में दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जिसे डीपीसीसी ने एक आपदा के तौर पर बताया है।मुख्यमंत्री आतिशी ने भी एलजी से बस मार्शलों की बहाली की सिफारिश की थी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली कैबिनेट के साथ-साथ मुख्यमंत्री आतिशी ने भी एलजी को एक आधिकारिक पत्र भेजकर बस मार्शलों की बहाली की सिफारिश की थी। उन्होंने एलजी को भेजे अपने नोट में कहा था कि एसीएस ट्रांसपोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि बस मार्शलों का मुद्दा एलजी के अधीन आता है। इसलिए योजना बनने तक बस मार्शलों को 31 अक्टूबर 2023 से पहले की तरह तुरंत बहाल किया जाए। उन्होंने आग्रह किया था कि एलजी को सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स को बस मार्शल के रूप में इस्तेमाल करने के लिए एक बार की छूट देनी चाहिए। 10 नवंबर 2024 को आतिशी की अध्यक्षता में सभी मंत्रियों की हुई बैठक में भी बस मार्शलों और बसों में महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई। उस चर्चा की रिपोर्ट भी एलजी को भेजी गई थी।

विवेक भारद्वाज करेंगे 43वें आईआईटीएफमें पंचायती राज मंत्रालय के मंडप का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है। सचिव विवेक भारद्वाज गुरुवार को भारत मंडपम, नई दिल्ली में मंत्रालय के अत्याधुनिक मंडप का उद्घाटन करेंगे। हॉल नंबर एच-4 (स्टॉल 4जी-12-ए) में स्थित इस मंडप की थीम पंचायतञ्चविकसितभारत2047 है। यह मंडप, पंचायतों को ग्रामीण शासन की आधुनिक, तकनीक-सक्षम और जवाबदेह संस्थाओं में बदलने के मंत्रालय के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

डिजिटल परिवर्तन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, पंचायती राज मंत्रालय का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में सभी पंचायतें तकनीकी और डिजिटल-संचालित आधुनिक संस्थाओं के रूप में विकसित होंगी। यह मंडप एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है, जो क्रांतिकारी डिजिटल पहलों को प्रदर्शित करता है। यह ग्रामीण शासन को नया रूप दे रहे हैं। इस डिजिटल परिवर्तन का मुख्य आकर्षण मेरी पंचायत ऐप है, जो एक अभिनव उपकरण है। यह पंचायत सेवाओं को सीधे नागरिकों के स्मार्टफ़ोन पर लाता है, जिससे सेवाओं, गतिविधियों और वित्तीय जानकारी तक अभूतपूर्व पहुँच संभव होती है।मंत्रालय के व्यापक डिजिटल इकोसिस्टम ई-ग्राम स्वराज में 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध एक एकीकृत प्लेटफॉर्म शामिल है, जिसने सुव्यवस्थित योजना, बजट और निगरानी क्षमताओं के माध्यम से पंचायत कार्यों को बदल दिया है। अग्रणी ग्राम मानचित्र, ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानिक योजना और मौसम पूर्वानुमान के लिए परिष्कृत भू-स्थानिक समाधान प्रदान करके इस डिजिटल परिवर्तन को और आगे बढ़ाता है। इसमें सौर छत क्षमता के आकलन के लिए पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के साथ एकीकरण भी शामिल है। पंचायत निर्णय एक और अभूतपूर्व पहल है, जिसने नागरिकों को पंचायत बैठक की कार्यवाही और ग्राम सभा के फैसलों तक सीधी पहुंच प्रदान करके ग्रामीण शासन में पारदर्शिता में क्रांति ला दी है। स्वामित्व योजना ग्रामीण संपत्ति अधिकारों के आधुनिकीकरण, भूमि संबंधी विवादों को काफी कम करने और ग्रामीण नागरिकों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।मंडप में सौर ऊर्जा से चलने वाले ग्राम पंचायत भवन, हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी, डिजिटल सूचना डिस्प्ले और डिजिटल और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाले कॉमन सर्विस सेंटर की विशेषता वाला एक व्यापक स्मार्ट पंचायत मॉडल प्रदर्शित किया गया है। ये सुविधाएं टेलीमेडिसिन सुविधाओं और स्वास्थ्य एटीएम के साथ पंचायतों के समग्र सेवा प्रदाताओं के रूप में विकास को प्रदर्शित करती हैं।

अंतरिक्ष के समक्ष आने वाली चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए भारत बेहतर स्थिति में : सीडीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष पर बढ़ते खतरों से निपटने के लिए एकीकृत रक्षा कार्मिक मुख्यालय की रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी की ओर से पहले तीन दिवसीय 'अंतरिक्ष अभ्यास-2024' का समापन हो गया। इस आयोजन ने भारत की अंतरिक्ष आधारित परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने, अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए तीनों सेनाओं के एकीकरण को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम को चिह्नित किया। चर्चाओं के दौरान यह बात साफ़ हुई कि अंतरिक्ष के समक्ष आने वाली चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए भारत बेहतर स्थिति में है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि अंतरिक्ष को कभी अंतिम सीमा माना जाता था लेकिन अब यह भारत की रक्षा एवं सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। अंतरिक्ष अन्वेषण की अपनी समृद्ध विरासत और बढ़ती सैन्य क्षमताओं के साथ अब भारत अंतरिक्ष के समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। तीन दिनों तक चला यह कार्यक्रम अंतरिक्ष युद्ध के क्षेत्र में भारतीय सशस्त्र बलों की रणनीतिक तत्परता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। अंतरिक्ष अभ्यास के दौरान हुई चर्चाओं में उभरती हुई अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों, अंतरिक्ष स्थिति जागरुकता और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर फोकस किया गया। इन चर्चाओं में महत्वपूर्ण संपत्तियों की निगरानी और सुरक्षा तथा तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष वातावरण में स्थिति जागरुकता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सैन्य, वैज्ञानिक और शैक्षणिक क्षेत्र के अलावा भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के विषय विशेषज्ञों ने सैन्य अंतरिक्ष क्षमताओं और प्रौद्योगिकियों के वर्तमान और भविष्य के परिदृश्य में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। रक्षा अंतरिक्ष संचालन में सामना की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों और अंतरिक्ष सुरक्षा, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष कानूनों की उभरती प्रकृति को स्पष्ट किया। अंतरिक्ष अभ्यास ने तीनों सेनाओं और रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार, आपसी समझ को बढ़ावा देने और सामंजस्य बढ़ाने के अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। भविष्य के सहयोग के लिए मजबूत ढांचा और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों के अनुरूप भारत के अंतरिक्ष सिद्धांत और क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया।

संविधान और लोकतंत्र को 'बुलडोजर राज' से नहीं चलाया जा सकता : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी(आप) ने कहा कि देश की कानून-व्यवस्था, संविधान, लोकतंत्र को 'बुलडोजर राज' से नहीं चलाया जा सकता।आप ने उच्चतम न्यायालय के देशभर में भाजपा द्वारा किए जा रहे बुलडोजर कार्रवाई पर दिए गए फैसले का आज स्वागत किया है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश की कानून-व्यवस्था, संविधान, लोकतंत्र को 'बुलडोजर राज' से नहीं चलाया जा सकता। एक गरीब आदमी मेहनत करके घर बनाता है, छोटी सी दुकान लगाता है, और भाजपा उनपर बुलडोजर चला देती है। इस फैसले से देश के संविधान में लोगों की आस्था और मजबूत होगी।श्री सिंह ने कहा , 'हम यह बात पहले दिन से कह रहे हैं कि बुलडोजर राज से देश की कानून व्यवस्था, संविधान और लोकतंत्र नहीं चल सकता।

विज्ञान और साहित्य की सहस्थिति से विकास की दिशा बदली जा सकती है : प्रो. एके भागी

एजेंसी

नई दिल्ली। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'साहित्य की शती उपस्थितिः रामदरश मिश्र' के द्वितीय और अंतिम दिन रामदरश मिश्र के साहित्य को लेकर वरिष्ठ साहित्यकारों और आलोचकों ने अपने विचार व्यक्त किये। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा ए.के. भागी ने कहा कि विज्ञान ने साहित्य मन से विकास किया होता तो आज विकास की स्थिति मानव कल्याण से ओतप्रोत होती और मानव कई समस्याओं से बच जाता। उन्होंने कहा कि विज्ञान और साहित्य की सहस्थिति से विकास की दिशा बदली जा सकती है। के. के बिड़ला फाउंडेशन के निदेशक सुरेश ऋतुपर्ण ने कहा हिंदी जगत को खालसा कॉलेज की संगोष्ठी से सीखने की जरूरत है । नार्वे के वरिष्ठ कवि एवं नाटककार शरद आलोक ने रामदरश मिश्र की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए कहा कि कविता मनुष्यता का राग है। कविता हमें शेष जगत से जोड़ती है। श्याम लाल कॉलेज के प्रो. सत्यप्रिय पाण्डेय ने कहा कि मिश्र बड़े संवेदनशील कवि हैं। प्रसिद्ध कवि एवं आलोचक डॉ. ओम निश्चल ने कहा कि गीत की एक लंबी

परंपरा में मिश्र एक पुष्प की तरह हैं। हिंदी विभाग के प्रो. अनिल राय अधिष्ठाता, अंतरराष्ट्रीय संबंध, समाज विज्ञान एवं मानविकी संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने रामदरश मिश्र का कथा साहित्य में बहुत बड़ा योगदान है और वह पिछलग्गू नहीं है बल्कि विचारधाराओं के खांचें की चारदीवारियों को तोड़ते हैं। गांव उनके साहित्य में ऊपर से ओढ़ा हुआ नहीं है बल्कि हर क्षण उनके साथ चलता हुआ है। हिंदी जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रोफेसर चंद्रदेव यादव ने कहा कि मिश्र के उपन्यासों में स्थानीय रंग दिखता है।अंजुम शर्मा ने कहा कि अपने कथा साहित्य से मिश्र अहम् से वयम् की यात्र करते हैं। मिश्र के कथा साहित्य में स्त्री का असहाय स्त्री का पिरामिड उलटा होता दिखता है। प्रो. स्मिता मिश्र ने अपने वक्तव्य में कहा कि गांव के परिवेश ने रामदरश को गढ़ा है। मिश्र की यात्रा 'स्व' से 'पर' की यात्रा है। 'कंधे पर सूरज'-काव्य संग्रह में उनका पूरा व्यक्तित्व पा सकते हैं।

व्यापार मेला को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 से 27 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में प्रगति मैदान के आसपास लोगों की काफी आवाजाही रहने के कारण यातायात पर कुछ असर पड़ सकता है। यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को दिक्कत न हो, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मेले में हर दिन लगभग 60 हजार आगंतुकों के आने की संभावना है। सप्ताहांत या छुट्टियों के दौरान यह संख्या लगभग 1.5 लाख प्रतिदिन पहुंचने की आशंका है। मेले के दिनों में मथुरा रोड, भैरों मार्ग, रिंग रोड, शेरशाह रोड और पुराना किला रोड पर यातायात प्रभावित रहने की आशंका है।व्यापार मेले में न आने वाले लोगों से ट्रैफिक पुलिस ने अनुरोध किया है कि वे परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इन सड़कों से बचें। मेले में प्रवेश केवल 14 से 18 नवंबर तक व्यापारिक आगंतुकों को दिया जाएगा। व्यापार मेला 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। गेट नंबर 5-ए, 5-बी, 7, 8 और 9 से आगंतुकों का प्रवेश नहीं दिया जाएगा। आगंतुकों के लिए प्रवेश गेट नंबर 1, 4, 6 और 10 उपलब्ध रहेंगे। प्रदर्शकों के लिए प्रवेश गेट नंबर 1, 4, 5बी और 10 रहेगा। मीडियाकर्मियों के लिए गेट नंबर 5-बी एंट्री रहेगी। आईटीपीओ अधिकारियों के लिए प्रवेश गेट नंबर 9 और 1 से रहेगा।

सभी दिनों में शाम 5:30 बजे के बाद व्यापार मेले में प्रवेश नहीं होगा। प्रगति मैदान में टिकटों की बिक्री नहीं होगी। टिकट ऑनलाइन और चुनिंदा मेट्रो स्टेशनों पर बेचे जाएंगे। चालक द्वारा संचालित वाहनों, टैक्सियों और ऑटो के लिए ड्रॉपिंग पॉइंट आईटीपीओ के गेट नंबर 3 और गेट नंबर 7 के सामने सर्विस लेन पर और बेसमेंट पार्किंग के प्रवेश द्वार के पास रहेगा।

भारतीय शिक्षण मंडल के शोधार्थी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे मोहन भागवत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय शिक्षण मंडल के युवा आयाम 'विजन फॉर विकसित भारत (विविभा :2024) - अखिल भारतीय शोधार्थी सम्मेलन' का आयोजन 15 से 17 नवंबर तक एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम (हरियाणा) में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों के साथ समन्वित करते हुए युवाओं में शोधवृत्ति विकसित करना है।सम्मलेन का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत करेंगे। उद्घाटन सत्र में इसरो के अध्यक्ष डॉ एस सोमनाथ तथा नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. कैलाश सत्यार्थी भी उपस्थित रहेंगे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान भारतीय शिक्षण मंडल के पदाधिकारियों ने इस सम्मलेन से जुड़ी जानकारी दी, जिनमें भारतीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद जोशी, मंडल के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख संजय पाठक, युवा आयाम के संयोजक डॉ अमित रावत तथा युवा आयाम में सह संयोजक जसपाल कौर प्रमुख थे। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय शोधार्थी सम्मेलन में युवा शोधार्थियों के मार्गदर्शन हेतु 6 प्लेनरी व 11

समानांतर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इस सम्मेलन में युवा शोधार्थियों को विभिन्न विषयों के विषय-विशेषज्ञों के साथ ही देश के प्रख्यात वक्ताओं का भी मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कुछ प्रमुख वक्ताओं में देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, योगगुरु स्वामी रामदेव, एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज, पूज्य संजीव कृष्ण ठाकुर, आरएसएस के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य और इंद्रेश कुमार तथा यूजीसी सचिव प्रो. मनीष जोशी सहित अन्य सम्माननीय विभूतियाँ सम्मिलित हैं। इस शोधार्थी सम्मेलन में देश के अनेक राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईआईएसएआर के निदेशक तथा अनेक केंद्रीय विश्वविद्यालयों व राज्य-स्तरीय विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं को आमंत्रित किया गया है। इस सम्मेलन में भारतीय ज्ञान परम्परा व शोध से बोध की थीम पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए एक विशाल प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। यह प्रदर्शनी प्राचीन ऋषि कणाद से लेकर आधुनिक वैज्ञानिक कलाम द्वारा भारतीय ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों को दर्शाएगी तथा शिक्षा के भविष्य का एक दृष्टिकोण प्रदान करेगी।

दिल्ली सरकार ने बस मार्शलों की बहाली के लिए एलजी से की सिफारिश, कहा- महिला सुरक्षा पर न हो कोई समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी की डीटीसी (दिल्ली परिवहन निगम) बसों की सुरक्षा के लिए तैनात बस मार्शलों को तत्काल बहाल करने की सिफारिश उपराज्यपाल वीके सक्सेना से की है. कैबिनेट ने इस निर्णय पर जोर देते हुए कहा कि बस मार्शलों की नियुक्ति से यात्रियों, खासकर महिला यात्रियों, को सुरक्षा का माहौल देने में मदद मिली है. सरकार का कहना है कि ये मार्शल बसों के भीतर महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं और उनकी बहाली से छेड़छाड़, अपराध और हिंसा जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है. मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में इस मसले पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया और उपराज्यपाल से अनुरोध किया कि वे इसे मानवीय दृष्टिकोण से देखें. दिल्ली सरकार ने इस मुद्दे को महिलाओं की सुरक्षा के रूप में प्रमुखता दी है, और बस मार्शलों की बहाली को प्राथमिकता दी गई है. दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने सर्वसम्मति से उपराज्यपाल को यह सिफारिश भेजी कि दिल्ली के डीटीसी और क्लस्टर बसों में तैनात बस मार्शलों को तत्काल बहाल किया जाए. मुख्यमंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल को लिखे पत्र में उल्लेख किया कि बसों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का मुख्य उद्देश्य है, और इसके लिए मार्शलों का योगदान बहुत अहम है. कैबिनेट का कहना है कि इस योजना को सेवा के साथ कानून-व्यवस्था का हिस्सा मानते हुए एलजी के अधिकार क्षेत्र में रखा गया है।

खरगे–राहुल–प्रियंका ने 135वीं जयंती पर किया नेहरू को नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को उनकी 135वीं जयंती पर आज नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री खरगे ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा 'भारत को शून्य से शिखर तक पहुँचाने वाले, आधुनिक भारत के शिल्पकार,भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक व विभिन्न क्षेत्रों में विकासशील बनाने वाले, देश को निरंतर 'विविधता में एकता' का संदेश देने वाले, लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी तथा हमारे प्रेरणास्रोत, 'हिन्द के जवाहर' की 135वीं जयंती पर हम उनके देश के प्रति अभूतपूर्व योगदान को याद करते हैं। उन्होंने पंडित नेहरू की पुस्तक भारत एक खोज के एक अंश का उद्धरण देते हुए कहा मैं भारतीय जीवन की विविधताओं और विभाजनों, वर्गों, जातियों, धर्मों, नस्लों, सांस्कृतिक विकास के विभिन्न स्तरों से भी पूरी तरह परिचित था। फिर भी मेरा मानना है कि एक ऐसा देश जिसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि लंबी हो, जीवन के प्रति समान दृष्टिकोण हो, वह एक ऐसी भावना विकसित करता है जो उसकी अपनी होती है और जो उसके सभी बच्चों पर छा जाती है, चाहे वे आपस में कितने भी भिन्न क्यों न हो, भारत की यही भावना थी जिसकी मैं तलाश कर रहा था, बेकार की जिज्ञासा से नहीं, बल्कि इसलिए कि मुझे लगा कि यह मुझे अपने देश और लोगों को समझने की कुंजी दे सकती है, विचार और कार्य के लिए कुछ मार्गदर्शन दे सकती है। श्री गांधी ने कहा 'आधुनिक भारत के जनक, संस्थानों के निर्माता, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर सादर नमन। लोकतांत्रिक, प्रगतिशील, निडर, दूरदर्शी, समावेशी - 'हिंद के जवाहर' के यही मूल्य हमारे आदर्श और हिंदुस्तान के आधारस्तम्भ हैं और हमेशा रहेंगे। श्रीमती वाड्रा ने कहा ÷दुनिया में जितनी भी बुराइयां हैं, डर उन सबकी बुनियाद है। दशकों के संघर्ष और असंख्य कुर्बानियों के बदले जब हमने आजादी हासिल की, तब भी ऐसे लोग थे जो भोली-भाली जनता को डराने और बहकाने की सियासत करते थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने डटकर उनका मुकाबला किया और आम जनता से कहा - 'डरो मत' ।जनता में डर फैलाने वाले लोग जनता के सच्चे प्रतिनिधि नहीं हो सकते। जनसेवक सीना तानकर सबसे आगे खड़े होते हैं ताकि लोग निडर होकर जी सकें। पंडित नेहरू जी ने जनता को हमेशा निडरता और निस्स्वार्थ सेवा की सीख दी तो दूसरी तरफ राष्ट्र निर्माण के हर पड़ाव पर जनता को सर्वोपरि रखा। आधुनिक भारत के निर्माता को सादर नमन।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर कहा एक सोच जिसने आजाद हिंदुस्तान के वर्तमान को संवारते हुए उसके स्वर्णिम भविष्य की नींव रख दी। जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में अपने कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता से देश की दशा और दिशा बदल दी। इसे विश्व शक्ति के रूप में ला खड़ा किया। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर शत-शत् नमन।

दिल्ली के निजी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया 28 नवंबर से शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में प्री-स्कूल (नर्सरी), प्री-प्राइमरी (केजी) और कक्षा एक के लिए प्रवेश प्रक्रिया 28 नवंबर से शुरू होगी। शिक्षा निदेशालय के अनुसार आवेदन 20 दिसंबर तक किये जा सकेंगे। पहली प्रवेश सूची 17 जनवरी को, दूसरी सूची तीन फरवरी को जारी की जाएगी और अंतिम प्रक्रिया अगले साल 14 मार्च तक पूरी हो जाएगी। शिक्षा निदेशालय ने एक आदेश में प्रवेश स्तर की कक्षाओं में बच्चों को प्रवेश देने वाले स्कूलों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, वंचित समूह और विकलांग बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का निर्देश दिया। स्कूलों को 25 नवंबर 2024 तक निदेशालय की वेबसाइट पर प्रवेश स्तर की कक्षाओं (ईडब्ल्यूएस/डीजी/सीडब्ल्यूएसएन श्रेणी की सीटों के अलावा) में खुली सीटों के तहत प्रवेश के बारे में जानकारी अपलोड करने का भी निर्देश दिया गया है। इसके अतिरिक्त सभी स्कूलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी आवेदकों के लिए अंकों का मानदंड-वार आदेश में स्कूलों को अपने नोटिस बोर्ड और वेबसाइटों पर प्रवेश कार्यक्रम प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया,÷इसके अलावा प्रत्येक स्कूल यह सुनिश्चित करेगा कि प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सभी आवेदकों को प्रवेश आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि यानी 20 दिसंबर 2024 तक उपलब्ध करा दिए जाएं।माता-पिता से प्रवेश पंजीकरण शुल्क के रूप में केवल 25 रुपये (गैर-वापसी योग्य) लिए जा सकते हैं। माता-पिता द्वारा स्कूल प्रॉस्पेक्टस की खरीद वैकल्पिक होगी। आदेश में कहा गया है, चूंकि स्कूल प्रवेश के लिए संबंधित अंकों के साथ मानदंड अपलोड करेंगे, इसलिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की पहली सूची, उनके मानदंडों के अनुसार उनके द्वारा अर्जित अंकों के साथ, 17 जनवरी 2025 को घोषित की जाएगी। अठारह जनवरी 2025 से 27 जनवरी 2025 तक 10 दिन स्कूलों को उनके वार्ड को आवंटित अंकों के बारे में अभिभावकों के सवालों का जवाब देने के लिए आवंटित किए गए हैं।आदेश में कहा गया है, स्कूलों के पास अभिभावकों के सवालों का जवाब देने के लिए एक अच्छी तरह से प्रलेखित तंत्र होना चाहिए, या तो ईमेल या पत्रों के माध्यम से, और एक रजिस्टर में विवरण बनाए रखना चाहिए। आदेश में कहा गया है कि ऐसे मामलों में जहां उम्मीदवार एक ही सीट के लिए बराबर होते हैं, स्कूल लॉटरी आयोजित करेंगे। शिक्षा निदेशालय ने कहा, लॉटरी (या तो कम्प्यूटरीकृत या पर्चियों द्वारा) पारदर्शी तरीके से आयोजित की जानी चाहिए, जिसमें माता-पिता मौजूद हों, वीडियो पर रिकॉर्ड की गई हो और स्कूल द्वारा रखी गई हो।

चुनावी गणित समझ आते ही पीछे हटी सरकार, जब एक परीक्षा हो सकती है तो दूसरी क्यों नहीं: अखिलेश यादव

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

प्रयागराजः उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने अभ्यर्थियों की मांगों को स्वीकार करते हुए बृहस्पतिवार को समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा स्थगित कर दी और प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा को पुराने पैटर्न पर आयोजित करने की घोषणा की। इसे लेकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव योगी सरकार पर तंज कसा है उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को चुनावी गणित समझ आते ही जब अपनी हार सामने दिखाई दी तो वो पीछे तो हटी पर उसका घमंड बीच में आ गया है, इसीलिए वो आधी मांग ही मान रही है। अभ्यर्थियों की जीत होगी। ये आज के समझदार युवा है, सरकार इन्हें झुनझुना नहीं पकड़ा सकती। चुनाव में हार ही भाजपा का असली इलाज है। जब भाजपा जाएगी तब ह्यनौकरीह्न आएगी वहीं आयोग के सचिव अशोक कुमार ने उपस्थित अभ्यर्थियों के समक्ष आयोग द्वारा लिये गये निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा, "पिछले कुछ दिन से पीसीएस और अन्य भर्ती परीक्षाओं को लेकर छात्रों के बीच असंतोष की स्थिति थी। छात्रों की मांग थी कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एक से ज्यादा पालियों में कराने के बजाय एक ही दिन में संपन्न कराया जाए।ह्व

उन्होंने कहा, ह्वमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छात्रों की इन मांगों का संज्ञान लेते हुए आयोग को निर्देश दिया कि वह छात्रों के साथ संवाद स्थापित करके आवश्यक निर्णय ले। आयोग ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर छात्रों से संवाद किया और उनकी मांगों पर विचार करते हुए यह निर्णय लिया कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 पूर्व की भांति एक ही दिन में आयोजित की जाएगी।" उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री की पहल पर यूपीपीएससी ने समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा-2023 को स्थगित करते हुए उसकी पारदर्शिता व निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यह समिति सभी पहलुओं पर गहन अध्ययन करके अपनी विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करेगी, जिससे इन परीक्षाओं की शुचिता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित किया जा सके।" आयोग के सचिव ने कहा कि हाल के महीनों में देश के कई हिस्सों में पेपर लीक की घटनाओं को देखते हुए प्रदेश सरकार ने चयन परीक्षाओं की शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से आयोग ने दिसंबर में प्रस्तावित पीसीएस और आरओ/एआरओ परीक्षाओं को एक से ज्यादा पालियों में आयोजित करने की घोषणा की थी, हालांकि छात्रों की मांग और मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद अब पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में आयोजित की जाएगी। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस परीक्षा की तैयारी कर रहे लाखों छात्रों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा को एक ही दिन में आयोजित करने से छात्रों को परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता व निष्पक्षता का भरोसा मिलेगा, साथ ही आयोग द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट से भविष्य में होने वाली परीक्षाओं की शुचिता को और अधिक मजबूती मिलेगी। एक पाली में परीक्षा आयोजित करने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी यूपीपीएससी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। पीसीएस-प्री परीक्षा पहले की तरह आयोजित करने की घोषणा से कुछ अभ्यर्थियों में खुशी है, वहीं आरओ-एआरओ की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी कुछ निराश नजर आए। अभ्यर्थी राहुल पांडे ने कहा कि आरओ-एआरओ परीक्षा पर वांछित फैसला होने तक वे आंदोलन जारी रखेंगे। पांडे ने कहा, "हमें इस घोषणा पर भरोसा नहीं है क्योंकि इस संबंध में आयोग की वेबसाइट पर कोई आधिकारिक सूचना अपलोड नहीं की गई है। एक अन्य अभ्यर्थी ने कहा कि सरकार ₹फूट डालो और राज करो₹ की नीति पर चल रही है और इसे पक्षपातपूर्ण निर्णय बताते हुए कहा कि ऐसा इसलिये किया गया है ताकि पीसीएस प्री के अभ्यर्थी यहां से चले जाएं। इस बीच, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संपर्क किए जाने पर कहा कि सरकार छात्रों के हित में काम करेगी और उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा, ₹छात्रों के हित में निर्णय लिए जाएंगे।₹ इससे पहले, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने प्रयागराज दौरे के दौरान छात्रों के पक्ष में मांगें उठाईं। यादव ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि जो लोग 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की बात करते हैं, वे एक ही दिन में परीक्षाएं नहीं करा सकते।

जो लोग एक राष्ट्र, एक चुनाव' की बात करते हैं, वे एक दिन में परीक्षा तक नहीं करा सकते: अखिलेश

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

प्रयागराजः समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर प्रयागराज में छात्रों के विरोध प्रदर्शन का सामना करने और परीक्षाओं को ठीक तरह से आयोजित करने में विफल रहने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया।

फूलपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए यादव ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस)-प्रारंभिक परीक्षा और समीक्षा अधिकारी- सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) परीक्षा दो अलग-अलग दिन आयोजित कराने के फैसले के खिलाफ जारी छात्रों के विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, ह्यह्यजो लोग ह्यएक राष्ट्र, एक चुनाव' की बात करते हैं, वे एक दिन में छात्रों के लिए परीक्षा भी नहीं करवा सकते।" यादव ने छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त की, लेकिन राजनीतिकरण के आरोपों से बचने के लिए विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से परहेज किया। उन्होंने राज्य में परीक्षाओं के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने में ह्वअसमर्थताह्न के लिए भाजपा की आलोचना की।

यह वही सरकार है जो ह्यएक राष्ट्र, एक चुनाव' को बढ़ावा देती है: अखिलेश

उन्होंने कहा, ह्यह्ययह वही सरकार है जो ह्यएक राष्ट्र, एक चुनाव' को बढ़ावा देती है, लेकिन उत्तर प्रदेश में वे हमारे युवाओं के लिए एक दिन में परीक्षा तक नहीं करा सकते।ह्व प्रयागराज में हजारों छात्र इस फैसले के खिलाफ लगातार चौथे दिन बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का दावा है कि इससे अनावश्यक भ्रम और कठिनाई बढ़ रही है। यादव ने प्रश्नपत्र लीक, बार-बार परीक्षा के स्थगित व रद्द होने जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है। उन्होंने फूलपुर में होने वाले आगामी उपचुनाव का भी जिक्र किया, जहां समाजवादी पार्टी अपने उम्मीदवार मुस्तफा सिद्दीकी के चुनाव प्रचार में जुटी है। यादव ने मूल रूप से 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव 20 नवंबर तक स्थगित करने के लिए भी भाजपा की आलोचना की । उन्होंने कहा, ह्यह्यइन उपचुनावों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा।" यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी हमला बोला और कहा, ह्यह्यलोग जानते हैं कि यह सरकार जाने वाली है।"

'महाराष्ट्र चुनाव का नतीजा जो भी हो, आदित्यनाथ की कुर्सी नहीं बचेगी'

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव का नतीजा जो भी हो, आदित्यनाथ की कुर्सी नहीं बचेगी। मुख्यमंत्री की अक्सर आक्रामक बयानबाजी पर टिप्पणी करते हुए यादव ने कहा, ह्यह्यहमारे मुख्यमंत्री बहुत शिक्षित और जानकार हैं, लेकिन वे कम बोलने की जरूरत होने पर भी बहुत ज्यादा बोलते हैं। वह जब भी बोलते हैं, कड़वाहट भरी बात बोलते हैं। उनकी नकारात्मक मानसिकता उनकी नकारात्मक भाषा में झलकती है।" योगी आदित्यनाथ का सीधे नाम लिए बिना यादव ने कहा, ह्यह्यकोई व्यक्ति अपने कपड़ों से योगी नहीं बनता। व्यक्ति अपने विचारों और शब्दों से योगी बनता है।" फूलपुर में इसलिए उपचुनाव हो रहा है क्योंकि इस सीट के विधायक ने इसी साल में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। इस सीट पर भाजपा ने पूर्व विधायक दीपक पटेल को मैदान में उतारा है, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने जितेंद्र कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया है। मतदान 20 नवंबर को होगा। सपा अध्यक्ष ने 'एक्स' पर भी कहा, "भाजपा अगर केवल चुनाव का गणित समझती है तो सुन ले कि पीसीएस, आर, एआरओ, अधीनस्थ सेवा जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों और उनके परिवार के लोगों को मिला लिया जाए तो ये संख्या लगभग एक करोड़ होती है। अगर इस ह्यमहा-संख्या' को लगभग 400 विधानसभा सीटों से भाग दें तो भाजपा के लगभग 25000 वोट हर विधानसभा सीट पर कम होंगे मतलब भाजपा दहाई के अंक में सिमट जाएगी।" उन्होंने कहा, "उम्मीद है, इस गणित को ही समझ कर आज ही भाजपा की हृदयहीन सरकार अत्याचार बंद करेगी और आंदोलनकारी युवाओं की लोकतांत्रिक जायज मांग को पूरा करेगी।

अभ्यर्थी कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

" यूपीपीएससी ने गत पांच नवंबर को घोषणा की थी कि समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को तीन पालियों में आयोजित की जाएगी। वहीं प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा सात और आठ दिसंबर को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। अलग-अलग तारीखों पर परीक्षा आयोजित करने के फैसले की व्यापक आलोचना के बीच परीक्षार्थियों ने दावा किया कि इससे अनावश्यक भ्रम और मुश्किल पैदा हुई है।

हालांकि आयोग ने अभ्यर्थियों की मांगों को स्वीकार करते हुए बृहस्पतिवार को समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा स्थगित कर दी और प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा को पुराने पैटर्न पर आयोजित करने की घोषणा की। आयोग ने आरओ और एआरओ परीक्षाओं के लिए एक समिति बनाने की भी घोषणा की।

इटावा में लूटपाट करने वाले गिरोह का पदार्फाश: लिफ्ट मांगने के जरिए राहगीरों को बनाते थे शिकार

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तर प्रदेश के इटावा में दो अलग-अलग थानों की पुलिस के द्वारा तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है, जो लोगों से लिफ्ट मांग कर उनके साथ लूटपाट की घटना को अंजाम दिया करते थे।

चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को मिली सफलता

एसएसपी संजय कुमार वर्मा के आदेश पर जनपद में लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। ऐसा ही कुछ जिले में दो अलग-अलग थानों की पुलिस ने करके दिखाया है जहां पर अभियान चलाते समय तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया गया जो कि लोगों के साथ लूटपाट की घटना को अंजाम दिया करते थे। बताते चलें कि थाना फ्रेण्डस कालोनी और थाना बसरेहर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत पचावली चौराहे पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान आपराधिक अभिसूचना मिलती है कि 3 व्यक्ति लोकासाई नहर पुल के पास बैठकर चोरी करने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलती ही पुलिस लोकासाई नहर पुल के पास पहुंचती है जहां से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जाता है।

पकड़े गए लुटेरों ने कबूला अपना जुर्म

एसएसपी ने बताया कि पकड़े गये व्यक्तियों से पुलिस टीम द्वारा नाम पता पूछते हुये उनकी तलाशी ली गयी तो उनके कब्जे से चोरी करने में प्रयुक्त उपकरण एवं 15,500/- रुपये नकद बरामद किये गये। बरामद रुपयों के सम्बन्ध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि हम तीनों एवं हमारे अन्य साथियों ने मिलकर थाना भरथना क्षेत्रान्तर्गत दिनाँक 23 अक्टूबर को एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल पर बैठकर उसकी जेब से 40,000/- रुपये चोरी कर लिये थे, इसी प्रकार दिनाँक 31 अक्टूबर को थाना बकेवर क्षेत्रान्तर्गत परशुपुरा के पास से मोटरसाइकिल सवार की जेब से 50,000/- रुपये चोरी कर लिये थे और बताया कि दिनाँक 5 नवंबर को थाना जसवन्तनगर क्षेत्रान्तर्गत व्यक्ति की जेब से 20,000/- रुपयों की चोरी की गयी थी।

लुटेरों के पास से पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले सामान को भी बरामद किया। पकड़े गए लुटेरों के खिलाफ पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है और इनके 3 साथी अब भी फरार हैं जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

रेप का फर्जी मुकदमा दर्ज करना दारोगा को पड़ा भारी, किए गए निलंबित

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

आजमगढः उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में फर्जी रेप का मुकदमा दर्ज कर युवक को जेल भेजने के मामले में बुधवार को पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने बिलरियागंज थानाध्यक्ष विनय कुमार सिंह को निलम्बित कर दिया है। दरअसल, बिलरियागंज थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह पर आरोप है कि रेप का फर्जी मुकदमा लिखकर पीड़िता के बेटे को जेल भेज दिया था। वहीं इस मामले में थानाध्यक्ष ने अधिकारियों को भ्रमित किया था। पीड़ित ने मामले की शिकायत डीआईजी कार्यालय में उपस्थित होकर अपने पुत्र के खिलाफ फर्जी बलात्कार का मुकदमा दर्ज करने की शिकायत की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार बड़े पुत्र ने पत्नी को तलाक का नोटिस भेजा था नोटिस भेजने के कुछ दिन बाद ही बहू ने फर्जी तरीके से

बिलरियागंज प्रभारी व पुलिसकर्मियों की मिलीभगत से देवर अभ्युदय राय पर बलात्कार का मुकदमा दर्ज करा दिया था। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने पुलिस अधीक्षक को इस मामले की जांच एसपी ग्रामीण से कराने का निर्देश दिया। जांच में पाया गया कि मामला संदिग्ध है। क्योंकि थानाध्यक्ष ने 24 सितंबर को मुकदमा दर्ज करने के 4 दिन बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस मामले में न ही किसी का बयान लिया गया न ही फॉरेंसिक साक्ष्य और न ही कोई ठोस साक्ष्य एकत्रित किया गया, इतना ही नहीं घटना स्थल का निरीक्षण भी नहीं किया गया। मुकदमें में पति-पत्नी के तलाक का कोई भी जिक्र नहीं किया गया है। गिरफ्तारी भी साक्ष्यों के आधार पर नहीं की गई है। रिपोर्ट आने के बाद डीआईजी के निर्देश पर आजमगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष विनय कुमार सिंह को निलम्बित कर दिया है और मामले की विस्तृत जांच के निर्देश दिये गये हैं। वहीं इस अभियोग की विवेचना पुलिस उपमहानिरीक्षक ने मऊ जिले को स्थानांतरित किया।

राशिफल

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, कार्तिक शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि त्रियोदशी, चतुदर्शी, गुरुवार 54.08 रात्रि आ. 5.6 सु. अश्वनी नक्षत्रे रात्रि 11.53 सिद्ध योगे 11.10 तैतिल करणे 2.18 मेष की चंद्रमा, भद्रा 56.26 जातकर्म नामाकरण तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, धनी-मानी, उत्तम व्यापारी, जिद्दी-हठी, सैनिक, सिपाही, मिलिटेरी, कमाण्डर, ब्रिगेडियर, वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, धनी-मानी, लोभी होगा।

मेष राशि :- व्यर्थ परिश्रम, विभ्रम, धन का व्यय, कुछ आरोप, वातावरण से मन में बेचैनी होगी।

वृष राशि :- थकावट व स्थिरता का वातावरण मन संदिग्ध रखे, धन प्राप्त होकर जाता रहेगा।

मिथुन राशि :- धन का लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्यगति में सुधार होगा।

कर्क राशि :- मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, कहीं तनाव होने से हानि भी संभव है, धैर्य से काम लें।

सिंह राशि :- आनंदवर्धक योजना बनेगी, परिश्रम से सफलता, कार्य-योजना अनुकूल होगी।

कन्या राशि :- दूसरों के कार्यों में हस्ताक्षेप से तनाव होगा, मनोबल उत्साहवर्धक होगा।

तुला राशि :- मानसिक बेचैनी, शारीरिक स्थिरता तथा कार्य-व्यवसाय में बाधा होगी।

वृश्चिक राशि :- आशानुकूल सफलता, कार्यगति में सुधार, योजना फलीभूत होगी।

धनु राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक बेचैनी, असमर्थता का वातारण होगा।

मकर राशि :- आकस्मिक स्त्री-वर्ग का समर्थन मिले, साधन सम्पन्नता के योग बन जायेंगे।

कुंभ राशि :- अधिकारी वर्ग का समर्थन, चिन्ता व व्यग्रता असमंजस में रखेगी, धैर्य रखें।

मीन राशि :- योजनायें फलीभूत हों, परिश्रम से सफलता अवश्य ही मिलेगी, ध्यान रखें।

गावस्कर ने भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ पर उठाये सवाल

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बॉडर-गावस्कर सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ पर सवाल उठाये हैं। गावस्कर ने कहा है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर को छोड़कर कोचिंग स्टाफ के किसी भी सदस्य को ऑस्ट्रेलिया दौरे का अनुभव नहीं है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया में किसी प्रकार की उछाल होगी और उसका सामना कैसे करना है ये बताने का यह काम केवल एक व्यक्ति गंभीर ही कर सकते हैं। गावस्कर के अनुसार भारतीय कोचिंग स्टाफ में केवल गंभीर के पास ही ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अनुभव है। वहीं स्टाफ के अन्य लोगों के पास तो टेस्ट मैच खेलने का ही अनुभव नहीं है।

गावस्कर के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में खिलाड़ियों को बहुत अच्छी तरह से सलाद दिये जाने की जरुरत है पर उनके बल्लेबाजी सहायक कोच अभिषेक नायर से अधिक अनुभवी तो गंभीर को है। ऐसे में उन्हें ही बताना होगा कि कैसे खेलना चाहिये। गंभीर ही बल्लेबाजों को सिखा सकते हैं कि कि किस तरह से बल्लेबाजी की जानी चाहिये। इसके साथ ही किस तरह का संयम दिखाना चाहिए जिससे कि टीम का प्रदर्शन बेहतर हो सके। गंभीर ने 2011-12 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 4 टेस्ट मैच खेले थे। उन्होंने इन मैचों की 8 पारियों में 22.62 की औसत से 181 रन बनाए। गंभीर इस सीरीज में सिर्फ एक बार 50 रन का आंकड़ा पार कर पाए और उनका सबसे अधिक स्कोर 83 रन रहा। इस प्रकार बची हुई सात पारियों में उन्होंने केवल 98 रन बनाये। वहीं जहां तक नायर का सवाल है तो उन्होंने केवल तीन एक-दिवसीय मैच खेले हैं पर कोई टेस्ट मैच कभी नहीं खेला है।

गंभीर के जवाब पर ज्यादा हैरानी नहीं हुई : पोंटिंग

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का दौर जारी है। सबसे पहले पोंटिंग ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के फॉर्म पर सवाल उठाये थे। जिसके बाद गंभीर ने करारा जवाब देते हुए कहा था कि उन्हें हमारी नहीं अपनी टीम के खिलाड़ियों की चिन्ता करना चाहिये। साथ ही कहा कि मुझे विराट और रोहित के बारे में कोई चिंता नहीं है क्योंकि वह विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। इसी को लेकर अब पोंटिंग ने कहा, मैं उनकी प्रतिक्रिया देखकर हैरान था पर मैं जितना जानता हूं उसके अनुसार गंभीर चिड़चिड़े स्वभाव के हैं, इसलिए मुझे उनकी बात पर बुरा नहीं लगा।पोंटिंग ने आगे कहा, मेरा उन पर कोई निजी हमला नहीं किया था। मैंने इतना ही कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया है और वह यहां वापसी करना चाहेंगे। अगर आप विराट से पूछेंगे, तो मुझे भरोस है कि वह थोड़ा परेशान होंगे कि वह पिछले वर्षों की तरह शतक नहीं बना पाए हैं। भारतीय टीम 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलेगा।

लेह में मिलेगा पैरा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण

लेह

लॉस एंजिलिस 2028 पैरालम्पिक से पहले खिलाड़ियों को जरुरी कौशल का प्रशिक्षण देने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अब उन्हें लेह में बनाये जाने वाले पैरा खेल केंद्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा। लेह का ये केन्द्र विश्व में ऊंचाई पर बनने वाला पहला खेल केंद्र होगा। इसके लिए पर्वतीय विकास परिषद, लेह और आदित्य मेहता फाउंडेशन के बीच करार हुआ है। परिषद के मुख्य कार्यकारी काउंसिलर एडवोकेट ताशी ग्यालसन ने कहा, ह्यायह हमारे लिए काफी गर्व का पल है कि पैरा खेलों में विश्व का पहला सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित केंद्र लेह में बन रहा है। भारतीय पैरा खिलाड़ियो ने साल 2024 पेरिस पैरालम्पिक खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 पदक जीते थे। जिससे पता चलता है कि हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इस केंद्र में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, नेत्रहीन फुटबॉल, बोकिया, केनोइंग, साइकिलिंग, घुड़सवारी, गोलबॉल, जूडो, पावरलिफ्टिंग, नौकायन, निशानेबाजी, वॉलीबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, ट्रायथलन, व्हीलचेयर बास्केटबॉल, व्हीलचेयर तलवारबाजी, व्हीलचेयर रग्बी, व्हीलचेयर टेनिस का अभ्यास खिलाड़ियों को कराया जाएगा।

कैंसर को हराकर जीतने वाली मनीषा, आजकल है सिरर्दद से परेशान

मुंबई

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर फैंस को बताया कि वह गंभीर सिरदर्द से परेशान हैं। मनीषा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर मंगलवार सुबह बिस्तर पर आराम करती हुई अपनी एक तस्वीर शेयर की। ह्यहीरामंडीः द डायमंड बाजारह्ल अभिनेत्री ने बताया कि महीने में एक बार उन्हें गंभीर सिरदर्द होता है और उन्हें नहीं पता कि इसका कारण क्या है। बॉलीवुड अभिनेत्री ने इससे निपटने के तरीके भी बताए। मनीषा ने कैप्शन में लिखा सिरदर्द से जुड़ी परेशानियां...हेलो दोस्तों! मैं आज कुछ निजी बातें शेयर कर रही हूं और उम्मीद है कि आप में से कुछ लोगों को यह पसंद आएगी। मुझे महीने में एक बार गंभीर सिरदर्द होता है और मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों होता है? क्या यह पानी की कमी की वजह से है या नींद की कमी से, खराब भोजन या तनाव है? या यह सब कुछ है? इसके बाद अभिनेत्री ने सुझाव भी लिखे जो उनकी मदद करते हैं। मेरा समाधान? एक या दो दिन के लिए सब कुछ बंद कर देना, आरामदेह ऑडियोबुक या संगीत सुनना, हल्का खाना, खूब पानी पीना और दवाएं लेना शामिल है। क्या किसी और को भी ऐसा अनुभव हुआ है? आप इससे कैसे निपटते हैं? मैं इस चक्र को तोड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं! आपके सुझाव और तरकीबें शेयर करने से मुझे और दूसरों को भी राहत मिल सकती है। कैंसर से जंग लड़कर जीत हासिल करने वाली मनीषा ने चुनौतीपूर्ण यात्रा के बारे में खुलकर बात की। उन्हें साल 2012 में ओवेरियन कैंसर का पता चला था। उन्होंने कहा मैं अपनी आवाज का इस्तेमाल न केवल कैंसर रोगियों की मदद करने के लिए बल्कि स्वास्थ्य सेवा की जरुरत और ओवेरियन कैंसर के संकेतों और लक्षणों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भी करना चाहती हूं। मनीषा कोइराला ने आगे कहा कि खुद कैंसर का सामना करने के बाद मैं जानती हूं कि यह यात्रा कितनी चुनौतीपूर्ण हो सकती है और मेरा मानना है कि यह जरुरी है कि हम सभी दूसरों के लिए आगे आएं और उनकी मदद करें। मनीषा ने कैंसर का इलाज न्यूयॉर्क में करवाया और 2014 में वह ठीक हो गईं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मनीषा कोइराला इस साल संजय लीला भंसाली के निर्देशन में तैयार सीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार में मल्लिकाजान के रूप में नजर आईं। मनीषा इससे पहले संजय लीला भंसाली के साथ खामोशीः द म्यूजिकल में काम कर चुकी हैं। फिल्म 1996 में रिलीज हुई थी। रोमांटिक फिल्म में मनीषा के साथ सलमान खान, नाना पाटेकर समेत अन्य स्टार्स ने अहम रोल निभाया था।

हिमांश कोहली ने शादी कर पत्नी की तस्वीरें की शेयर, फैंस दे रहे बधाई

मुंबई,

बॉलीवुड फिल्म अभिनेता हिमांश कोहली ने अपनी शादी की खुशखबरी देकर सबको चौंका दिया है। उन्होंने अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें उन्होंने अपनी दुल्हन के साथ फोटो पोस्ट की है। इस शादी में केवल उनके परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए। हिमांश कोहली ने शादी के लिए रेड कलर की शेरवानी पहनी थी, जबकि उनकी पत्नी विनी ने मैचिंग रेड लहंगा पहना था। हालांकि उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमांश कोहली ने अरेंज मैरिज की है। हिमांश की शादी की तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और उनकी दुल्हन की सादगी भरी तस्वीरों की तुलना फिल्म ह्यविवाहह्ल की अमृता अरोड़ा से की जा रही है। हिमांश कोहली की इस शादी की खबर ने उनके फैंस को सरप्राइज दिया है, और उनके नए जीवन की शुभकामनाओं का सिलसिला शुरू हो गया है।

ह्यायारियांह्ल फेम एक्टर हिमांश कोहली के व्यक्तिगत जीवन की बात करें तो वह पहले सिंगर नेहा कक्कड़ के साथ रिलेशनशिप में थे। दोनों का रिश्ता रियालिटी शो पर हुआ था, लेकिन बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। ब्रेकअप के बाद नेहा कक्कड़ शो में फूट-फूटकर रोईं थीं और हिमांश को ट्रोल भी किया था। नेहा ने ब्रेकअप के बाद पंजाबी सिंगर रोहनप्रीत सिंह से शादी कर ली थी।

हिमांश कोहली का फिल्मी करियर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने 2011 में टीवी शो ह्यलाइफह्ल से अपने करियर की शुरूआत की थी और फिल्म ह्यायारियांह्ल से उन्हें पहचान मिली। इस फिल्म की सफलता के बाद उन्होंने ह्यस्वीटी वेड्स एनआरआईह्ल, ह्यरांची एक्सप्रेसह्ल और ह्यदिल जो ना कह सकेह्ल जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन ये फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर ज्यादा सफलता नहीं पा सकीं। इसके बाद से हिमांश को पर्दे से दूर देखा गया है।

सौतेली बेटी के आरोपों से परेशान रुपाली ने ठोका 50 करोड़ का मानहानि मामला

बेटी ईशा घबराई अब इंस्टाग्राम अकाउंट को किया प्राइवेट

मुंबई

अनुपमा सीरियल की एक्ट्रेस रुपाली गांगुली बीते दिनों से पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। रुपाली गांगुली की सौतेली बेटी ईशा वर्मा सोशल मीडिया पर सामने आकर एक्ट्रेस और अपने पिता अश्विन वर्मा पर कई गंभीर आरोप लगा रही थीं। ऐसे में रुपाली ने 50 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं अब मानहानि का मुकदमा होते ही ईशा घबराई हुई है। भले ही ईशा ने इस पर कोई बयान नहीं दिला लेकिन अब उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को पब्लिक से प्राइवेट कर लिया है।

ईशा ने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वो रो पड़ी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि वह रुपाली गांगुली के आसपास सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। रुपाली की सौतेली बेटी ईशा वर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 15.8 फॉलोअर्स थे और ये एक वैरिफाइड अकाउंट था। पहले उनका अकाउंट हर कोई देख सकता था। अब उन्होंने इसे प्राइवेट कर लिया है। रुपाली ने अब उस पर मुकदमा दायर किया। मुकदमे में 50 करोड़ के हजार्ने की मांग की है, जिसमें कहा गया है कि ईशा के सार्वजनिक दावों ने रुपाली की पर्सनल और प्रोफेशनल प्रतिष्ठा को गलत

तरीके से धूमिल किया है। ईशा ने अपने वीडियो में रुपाली के बेटे रुद्रांश का भी जिक्र किया था और माफी मांगी थी। यही वजह है कि रुपाली ने कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया।

गौरतलब है कि ईशा ने रुपाली और अश्विन के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अनुपमा एक्ट्रेस का अश्विन के साथ संबंध था और उसने उसके माता-पिता की शादी तोड़ दी थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि रुपाली कंट्रोलिंग थीं और अपमान करती थीं। ये भी दावा किया कि रुपाली ने उसे और उसकी मां दोनों को जान से मारने की धमकी दी थी।

लियोन को अश्विन से बेहतर मानते हैं एडम्स

जोसंबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व गेंदबाज पॉल एडम्स ने बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन की जमकर प्रशंसा की है। एडम्स ने कहा कि लियोन भारतीय स्पिनर आर अश्विन से कहीं बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि लियोन अश्विन की तुलना में अधिक संपूर्ण गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा कि लियोन भारत के खिलाफ सीरीज में अहम भूमिका निभा सकते हैं। अभी 530 टेस्ट विकेट के साथ लियोन और 536 विकेट के साथ अश्विन विश्व के दो सबसे बेहतर स्पिनर माने जाते हैं पर उनका कहना है कि लियोन विश्वभर की पिचों पर बल्लेबाजों को परेशान करने में अधिक कुशल साबित हुए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप और ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में प्रतिस्पर्धा करने के मामले में लियोन के पास अश्विन की तुलना में अधिक विविधता हैं। एडम्स ने माना कि अश्विन के पास एक कैरम बॉल है जो गेंद को विपरीत दिशाओं में घुमा सकती है पर कहा कि लियोन ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने बहुत अधिक ओवर-स्पिन के साथ गेंदबाजी की है।

विशेष सूचना
समाचार पत्र में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के नीचे बने बॉक्स में दर्शाये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

माथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतु कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधान कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो. 9219141431

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अमित कुमार** ने **जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया।

सम्पादक : अमित कुमार